सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 16 अंक - 218 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरूवार 22 मई 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

ऐतिहासिक भिलाई रेलवे स्टेशन के साथ छत्तीसगढ़ के पांच रेलवे स्टेशनों का पीएम मोदी ने किया लोकार्पण

सिंदूर मिटाने वाले मिट्टी में मिल गए : पीएम मोदी

22 तारीख को आतंकवादियों ने धर्म पूछकर मासूमों को मार डाला और मांग का सिंदूर उजाड़ दिया। वो हमला पहलगाम में हुआ था, लेकिन उसका दर्द पूरे देश ने महसूस किया। इसके बाद पूरे देश ने ठान लिया था कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करना है। हमारी सरकार ने सेना को खुली छूट दी, और तीनों सेनाओं ने मिलकर ऐसा जवाब दिया कि पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर होना पड़ा।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'हमने सिर्फ22 मिनट में आतंकियों के 9 सबसे बड़े ठिकानों को तबाह कर दिया। जब सिंदूर बारूद बन जाता है, तो क्या अंजाम होता है, ये हमने पाकिस्तान को दिखा दिया। पीएम मोदी ने कहा, कि ऑपरेशन सिंदूर ने आतंकवाद से लड़ने के तीन नियम बनाए हैं। पहला, अगर भारत में कोई आतंकी हमला करेगा तो उसे तेज और कड़ा जवाब मिलेगा। इसे देश के खिलाफयुद्ध माना जाएगा और जवाब देने का समय सेना तय करेगी। दूसरा, भारत परमाणु धमकी से डरने वाला देश नहीं है। तीसरा, आतंकवादी और उन्हें समर्थन देने वाली सरकार को एक समान माना जाएगा। पाकिस्तान अपना 'स्टेट और 'नॉन-स्टेट वाला खेल नहीं चला पाएगा। पूरी दुनिया में अलग-अलग सात प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान की सच्चाई दुनिया के सामने रखेंगे। पाकिस्तान का असली चेहरा सबके सामने आएगा। पीएम मोदी ने एक बार फिर कहा कि पाकिस्तान के साथ न तो व्यापार होगा और न ही बातचीत। अगर बात होगी तो केवल कश्मीर और पाकिस्तान के कब्जे वाले पीओके की होगी।

47 हजार करोड़ की रेलवे परियोजनाएं : सीएम साय

अंबिकापुर रेलवे स्टेशन के उद्घाटन अवसर पर सीएम साय ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूर दृष्टी के कारण छत्तीसगढ़ में 47 हजार करोड़ से ज्यादा की रेलवे परियोजनाओं पर काम हो रहा है। सीएम साय ने कहा कि आज का दिन सरगुजा संभाग के लिए बड़ा सौभाग्यशाली दिन है। सरगुजा संभाग के अंबकापुर रेलवे स्टेशन को नया रूप मिला है और यात्री सुविधाएं बढ़ी हैं। सीएम साय ने कहा कि अंबिकापुर में रेल लाइन लाने का श्रेय यहां के पूर्व सांसद ललन साय को जाता है। मंच ने सीएम साय ने पूर्व सांसद को नमन किया। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान की धरती से अमृत भारत योजना के तहत डेवलप हुए 103 रेलवे स्टेशनों का लोकार्पण किया। इनमें हमारे छत्तीसगढ़ के पांच रेलवे स्टेशन भी शामिल हैं। इन रेलवे स्टेशनों में यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। इसके अलावा छत्तीसगढ़ के 27 और रेलवे स्टेशनों में भी डेवलप वर्क जारी है जो जल्द ही पूरा होगा। सीएम साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने इन 11 वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था को पांचवे स्थान पर ला खड़ा किया है। आगे इसे तीसरे स्थान ले जाने का संकल्प है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन 2047 तक विकसित भारत की परिकल्पना का साकार करना है और इसके लिए हमें विकसित छत्तीसगढ़ बनाना होगा। और विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए पूरे प्रदेश के लोगों को साथ भी जरूरी है।

- **अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत डेवलप हुए छत्तीसगढ़ में पांच स्टेशन**
- **यात्रियों को आरामदायक सफर देने स्टेशनों को बनाया गया अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस**

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राजस्थान के बिकानेर से'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत नए तरीके से बनाए गए देश के 103 रेलवे स्टेशन राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने बिकानेर जिले के देशनोक स्टेशन का लोकार्पण करते हुए वर्चुअली 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 86 जिलों में बने 103 अमृत रेलवे स्टेशनों का भी उद्घाटन किया। इन स्टेशनों का रिनोवेशन 1100 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इन स्टेशनों में छत्तीसगढ़ के पांच रेलवे स्टेशन भिलाई, डोंगरगढ़, उरकुरा, अंबिकापुर व भानुप्रतापुर शामिल हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत आने वाले

इन स्टेशनों को यात्री सुविधाओं के अनुसार डेवलप किया गया है। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन में शुभारंभ कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शामिल हुए। भिलाई रेलवे स्टेशन के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू उपस्थित हुए। इस दौरान वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन, अहिवारा विधायक डोमन लाल कोर्सेवाडा व दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर उपस्थित रहे।

बिकानेर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा देश को समर्पित इन 103 अमृत भारत स्टेशनों में देश का इतिहास दिखेगा। इनसे टूरिज्म बढ़ रहा है और लोगों को रोजगार भी मिल रहा है। विकास के इन कामों से गरीब और जरूरतमंद लोगों को फायदा हो रहा है। किसानों की फसलें आसानी से बाजार तक पहुंच रही हैं और नए उद्योग भी बन रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, केंद्र सरकार रेलवे के विकास के लिए 10,000 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करेगी। यह राशि 2014 के मुकाबले 15 गुना ज्यादा है। इससे राजस्थान का विकास और भी तेजी से होगा। बिकानेर के मंच से पीएम मोदी ने पिछले दिनों हुए पहलगात आतंकी हमले का जिक्र किया और पाकिस्तान के खिलाफ सेना की कार्रवाई की सराहना की।

छत्तीसगढ के इन पांच स्टेशनों का हुआ लोकार्पण

भिलाई रेलवे स्टेशन

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के जिन पांच रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण कार्य पूरा हुआ है उनमें से एक भिलाई का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। भिलाई स्टेशन को भी आधुनिक सुविधाओं और सांस्कृतिक समृद्धि से युक्त कर 10.09 करोड़ की लागत से अमृत स्टेशन के रूप में पुनर्विकसित किया गया है। ऐतिहासिक महत्व वाले इस स्टेशन को अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ डेवलप किया गया है। नया स्वरूप अब पूरी तरह से एयरपोर्ट की तरह लगने लगा है। भिलाई रेलवे स्टेशन की प्रमुख सुविधाओं में यात्रियों का स्वागत करता भव्य प्रवेश द्वार, 580 वर्गमीटर में नया बुकिंग ऑफिस और कैनोपी सहित स्टेशन भवन, 1185 वर्गमीटर सुसज्जित सर्कुलेटिंग एरिया, यात्रियों की सुविधा हेतु 10 प्लेटफॉर्म शेड, 6600 वर्गमीटर में ग्रेनाइट और पेवर ब्लॉक से प्लेटफॉर्म सतह, आधुनिक टॉयलेट, वातानुकूलित प्रतीक्षालय, नई फर्नीचर सुविधा, सीसीटीवी कैमरे, पीए सिस्टम, टॉवर क्लॉक, एलईडी डिस्प्ले बोर्ड, सिंगल लाइन सूचना बोर्ड, सोलर हाई मास्ट और 10 किलोवॉट पावर का सौर पैनल, साइनेज बोर्ड्स नाम, दिशा और सेवाओं की जानकारी, म्यूरल आर्ट स्थानीय संस्कृति की प्रस्तुति, 2 व्हीलर व 4 व्हीलर पार्किंग, पोर्च आदि प्रमुख है।

उरकुरा रेलवे स्टेशन

लगभग 6 करोड़ 93 लाख रुपए खर्च कर उरकुरा रेलवे स्टेशन का रि-डेवलपमेंट किया गया है। नए स्टेशन में 1 कैटेगरी वाली सुविधाएं यात्रियों को मिलेंगी। 168 वर्ग मीटर में स्टेशन का नया कार्यालय बनाया गया है। यात्रियों की सुविधा को देखते हुए यहां पोर्च का निर्माण भी किया गया है। 3600 वर्ग मीटर में नया सर्कुलेटिंग एरिया डेवलप किया गया है। जिसके साथ फुटपाथ अटैच है। 10 नए प्लेटफार्म शेड लगाए गए हैं। जो यात्रियों को बिगड़े हुए मौसम से सुरक्षा देंगे। प्लेटफार्म के 4000 वर्ग मीटर में फैले फ्लोर को ग्रेनाइट और पेवर ब्लॉक से बनाया गया है। नया रेस्ट हाउस करीब 57 वर्ग मीटर में फैला हुआ है। इसके अलावा करीब 154 स्टेनलेस स्टील बैंच बैंक से लगाई गई है। सुरक्षा के लिहाज से 13 सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। स्टेशन आधुनिक अनाउंसमेंट सिस्टम लैस होगा।

अंबिकापुर

केंद्र सरकार की अमृत भारत योजना के तहत छत्तीसगढ़ के पांच रेलवे स्टेशनों का नवीनीकरण किया गया है, इनमें अंबिकापुर का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। अमृत भारत योजना से अंबिकापुर के रेलवे स्टेशन में सुविधाओं की बढ़ोत्तरी की गई है। नवीनीकरण के बाद अंबिकापुर के रेलवे स्टेशन का स्वरूप बदल गया है। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन का निर्माण सरगुजा के रियासतकालीन महल के स्वरूप में बनाया गया था। अमृत भारत योजना में स्टेशन की खूबसूरती के साथ यात्री सुविधाएं भी बढ़ी हैं। अंबिकापुर रेलवे स्टेशन एनएसजी 4 केटेगरी का है।

डोंगरगढ़

मां बम्लेश्वरी देवी की नगरी डोंगरगढ़ का रेलवे स्टेशन अब हाईटेक बन चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत स्टेशन का सौंदर्यीकरण किया गया है। कालका पारा की ओर वेटिंग लाउंज, लिफ्ट, एसकेलेटर, लैंडस्केपिंग सहित अन्य सभी आधुनिक सुविधाएं जोड़ी गई हैं। यहां प्लेटफार्म की संख्या बढ़ाने के साथ भव्य मुख्य गेट बनाया गया है। धर्म नगरी की तर्ज पर डोंगरगढ़ को सजाया गया है।

भानुप्रतापपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत भानुप्रतापपुर रेलवे स्टेशन को अब नया रूप मिल चुका है। भानुप्रतापपुर स्टेशन अमृत भारत योजना के तहत सबसे पहले पूरा होने वाला स्टेशन है। स्टेशन को पर्यावरण-अनुकूल तकनीक से विकसित किया गया है। यहां केवल एक प्लेटफार्म होने के कारण पीओबी नहीं बनाया गया है। डेवलपमेंट के बाद स्टेशन की सुंदरता देखते ही बनती है।

इसी बहाने बोरे-बासी की चल पड़ी

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ में सन् 2020 के बाद बोरे-बासी दिवस एक बार फिर सुर्खियों में है. पर इस बार मामला अलग है। बोरे-बासी को पहले केवल गरीब और मजदूर वर्ग का भोजन माना जाता था। पढ़े लिखे लोग इससे किनारा कर जाते थे फिर भले ही लू से उनकी जान क्यों न चली जाए। बता दें कि सुबह-सुबह हाथ में जर्मन के बर्तनों में बोरे-बासी लिये मजदूरों को काम पर जाते हुए देखना एक सुखद अहसास रहा है। तपती धूप में बासी-बोरे वह सबसे सस्ता उपाय है जो पेट को ठंडा रखने के साथ ही शरीर में पानी की तरावट को बनाये रखता है। छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि ओडीशा और बंगाल में भी बोरे-बासी का चलन है। ओडीशा में जहां इसे ठंडा और गर्म पखाल के नाम से जाना जाता है वहीं बंगाल में इसे पांता भात कहा जाता है। इस पारम्परिक व्यंजन को गरिमा प्रदान करने की कोशिश सबसे पहले ओडीशा में शुरू हुई जहां 2015 से प्रत्येक 20 मार्च को पखाल दिवस मनाया जाने लगा। पश्चिम ओडीशा के बड़े-बड़े होटलों में भी पखाल एक विशेष व्यंजन की तरह परोसा जाता है। छत्तीसगढ़ में भी इस पारम्परिक व्यंजन को सम्मान देने के लिए 2020 में तत्कालीन सरकार ने मजदूर दिवस पर बोरे-बासी दिवस मनाने का निर्णय लिया। पर सरकार बदलने के बाद बोरे-बासी दिवस पर अनिश्चितता के बादल मंडराने लगे। इस बात की भी चर्चा होती रही कि नई सरकार की इसमें तनिक भी रुचि नहीं है। जब बात बिगड़ती दिखी तो सरकार ने आनन-फानन में बोरे-बासी दिवस मनाने का फैसला कर लिया। इसके लिए तेजी से फाइलें चलीं और करोड़ों रुपए फूंक दिये गये। इतने कम समय में टेंडर प्रक्रिया संभव नहीं थी इसलिए जो एकमात्र कंपनी लिस्टेड थी, उसे ही काम दे दिया गया। घर में इफ्रात पैसे हों तो श्वान का भी बर्थडे मनाया जा सकता है। 8 करोड़ 70 लाख रुपए का बिल बना। 3 लाख रुपए का तो फूलों का डेकोरेशन ही हो गया। 1500 रुपए कटोरा बोरे-बासी खाने के लिए 150 वीआईपी भी जुटा लिये गये। इसके अलावा 200 लोगों ने प्रति व्यक्ति 600 रुपए का नाश्ता भी किया। क्या मजाक है? जहां तक बोरे-बासी का सवाल है - इसे सबसे ज्यादा इज्जत बख्शी थी कापालिक शैली में पंडवानी गायन करने वाली प्रथम महिला पद्मभूषण तीजन बाई ने। उन्होंने न केवल पंडवानी की कापालिक शैली को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया बल्कि देश-विदेश में इसके सैकड़ों कार्यक्रम कर डाले। कद चाहे कितना भी बढ़ गया पर उन्होंने अपने पारम्परिक खान-पान को कभी नहीं छोड़ा। वे गर्व से कहती रहीं कि फ्रांस हो या लंदन, हर जगह उन्होंने बोरे-बासी और चटनी खाकर ही पंडवानी प्रस्तुत किया है। यही नहीं जब-जब उन्हें पद्मपुरस्कार प्राप्त करने के लिए राजधानी दिल्ली बुलाया गया, वे अपना प्रिय बोरे-बासी खाकर ही वहां गईं। कायदे से तो उन्हें छत्तीसगढ़ का बोरे बासी एम्बेसेडर बनाया जाना चाहिए था। बोरे-बासी और राज्य दोनों गौरवान्वित होते।

संपादकीय

नेताओं के बिगड़े बोल से आहत होती राष्ट्रीयता

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। सेना के शौर्य पर सम्मान की बजाय अपमान के बिगड़े बोल को लेकर राजनीतिक घमासान छिड़ जाना स्वाभाविक है। कर्नल सोफिया और विंग कमांडर ब्योमिका सिंह के संबंध में क्रमशः मंत्री विजय शाह और सपा महासचिव राम गोपाल यादव द्वारा की गई टिप्पणियों पर राजनीतिक विवाद और कानूनी कार्रवाई की मांग तेज हो गई है। बड़ा प्रश्न है कि क्या धर्म और जाति के नाम पर वोट के लिए सेना और सेना से जुड़ी बेटियों के सम्मान को चोट पहुंचाई जाना उचित है? चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष वाणी का संयम अपेक्षित है। भारतीय राजनीति में बिगड़े बोल, असंयमित भाषा एवं कड़ावपन की मानसिकता चिन्ताजनक है। ऐसा लगता है ऊपर से नीचे तक सड़कछाप भाषा ने अपनी बड़ी जगह बना ली है। यह ऐसा समय है जब शब्द सहमे हुए हैं, क्योंकि उनके दुरूपयोग की घटनाएं लगातार जारी हैं।

> *जब देश पहलगाम की त्रासद घटना एवं उसके बाद पाकिस्तान से बदला लेने की शौर्य की महत्वपूर्ण घटना के मोड़ पर खड़ा है, तब कुछ नेताओं के बिगड़े बोल बहुत दुखद और निंदनीय हैं। मध्य प्रदेश में भाजपा सरकार के एक मंत्री विजय शाह एवं समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। विजय शाह को राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग तेज हो गई है। कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ विजय शाह की विवादास्पद टिप्पणी एक ऐसा दाग है, जिसे आसानी से नजरंदाज नहीं किया जा सकता। यह मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचा और मामला भी दर्ज हो गया, तो आश्चर्य नहीं । देश के नेताओं व मंत्रियों को ऐसी हल्की और स्तरहीन बातों से परहेज करना चाहिए।*

नफरती सोच एवं हेट स्पीच का बाजार बहुत गर्म है। राजनीति की सोच ही दूषित एवं घृणित हो गयी है। नियंत्रण और अनुशासन के बिना राजनीतिक शुचिता एवं आदर्श राजनीतिक मूल्यों की कल्पना नहीं की जा सकती। नीतिगत नियंत्रण या अनुशासन लाने के लिए आवश्यक है सर्वोपरि राजनीतिक स्तर पर आदर्श स्थिति हो, अनुशासन एवं संयम हो, तो नियंत्रण सभी स्तर पर स्वयं रहेगा और इसी से देश एक आदर्श लोकतंत्र को स्थापित करने में सक्षम हो सकेगा। युद्ध जैसे माहौल में सेना एवं उसके नायकों का मनोबल बढ़ाने की बजाय उनके साहस एवं पराक्रम पर छींटाकशी करना दुर्भाग्यपूर्ण है। चर्चा में बने रहने के लिए ही सही, राजनेताओं के विवादित बयान गाहे-बगाहे सामने आ ही जाते हैं, लेकिन ऐसे बयान एक ऐसा परिवेश निर्मित करते हैं जिससे राजनेताओं एवं राजनीति के लिये घृणा पनपती है। यह सही है कि शब्द आवाज नहीं करते, पर इनके घाव बहुत गहरे होते हैं और इनका असर भी दूर तक पहुंचता है और देर तक रहता है। इस बात को राजनेता भी अच्छी तरह जानते हैं इसके बावजूद जुबान से जहरीले बोल सामने आते ही रहते हैं।

यह चिंताजनक है कि इधर के वर्षों में कुछ भी बयान दे देने की बुरी आदत बढ़ रही है। बिगड़े बोल वाले नेता बेलगाम हो रहे हैं। कोई दो राय नहीं कि पहले राजनीतिक दलों और उसके बाद सरकारों को इस मोर्चे पर अनुशासन एवं वाणी संयम का बांध बांधना चाहिए। विजय शाह करीब आठ बार चुनाव जीत चुके हैं, मतलब, अनुभवी नेता हैं, तो क्या वह चर्चा में रहने के लिए बिगड़े बोल का सहारा लेते हैं? सर्वोच्च न्यायालय में खिंचाई के बाद अब वह सफाई देने में लगे हैं। उन्होंने स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा है कि उनकी टिप्पणियों को संदर्भ से बाहर ले जाया गया और उनका मकसद कर्नल कुरैशी की बहादुरी की प्रशंसा करना था। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नल सोफिया कुरैशी मेरी सगी बहन से भी बढ़कर हैं। वह माफी भी मांग रहे हैं, तो साफ है कि उनका पद खतरे में है। अगर वह पहले ही सावधानी बरतते या गलती होते ही माफी मांग लेते, तो मामला इतना नहीं बढ़ता। विजय शाह का मामला थमा भी नहीं है कि मध्य प्रदेश के ही उप- मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने भी बिगड़े बोल को अंजाम दे दिया है। उनका मानना है कि देश की सेना प्रधानमंत्री के सामने नतमस्तक है। वास्तव में, ऐसी गलतबयानी से किसी के भी सम्मान में वृद्धि नहीं होती है। देश अभी-अभी एक संघर्ष से निकला है। यह एकजुटता और परस्पर समन्वय बढ़ाने के लिए संभलकर बोलने का समय है। राष्ट्रीय एकता एवं राजनीतिक ताने-बाने को ध्वस्त कर रहे जहरीले बोल की समस्या दिन-प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

संकीर्णता एवं राजनीति का उन्माद एवं 'हेट स्पीच' के कारण न केवल विकास बाधित हो रहा है, सेना का मनोबल प्रभावित हो रहा है, बल्कि देश की एकता एवं अखण्डता भी खण्ड-खण्ड होने के कगार पर पहुंच गयी है। राजनेताओं के नफरती, उन्मादी, द्वेषमूलक और भड़काऊ बोलों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने भी कड़ी टिप्पणियां की है। भाषा की मर्यादा सभी स्तर पर होनी चाहिए। कई बार आवेश में या अपनी बात कहने के चक्कर में शब्दों के चयन के स्तर पर कमी हो जाती है और इसका घातक परिणाम होता है। मुद्दों, मामलों और समस्याओं पर बात करने की बजाय जब नेता एक-दूसरे पर निजी हमले करने लगें तो यह उनकी हताशा, निराशा और कुंठा का ही परिचायक होता है। यह आज के अनेक नेताओं की आदत सी बन गई है कि एक गलती या झूठ छिपाने के लिए वे गलतियों और झूठ का अंबार लगा देते हैं। क्या यह सत्ता का अहंकार एवं नशा है? संसद में गलती एक बार अटल बिहारी वाजपेयी से भी हुई थी, उन्होंने तत्काल सुधार करते हुए कहा था कि चमड़े की जुबान है, फिसल जाती है। बेशक, अच्छा नेता वही होता है, जो गलतियां नहीं करता और अगर गलती हो जाए, तो तत्काल सुधारता है।

अनेक राजनीतिक दलों के नेता ऐसे वक्तव्य देते हैं और विवाद बढ़ता देख बाद में सफाई देने से भी नहीं चूकते। वोट के लिए धर्म, सम्प्रदाय, जाति, समाज किसी को भी नहीं छोड़ा जा रहा। पार्टी कोई सी भी हो, नेता अपने विरोधियों के खिलाफ जहर उगलने से नहीं चूकते लेकिन सेना नायकों पर टिप्पणियां बहुत ही घातक है।

नेता चाहे सत्ता पक्ष से जुड़े हों या प्रतिपक्ष से, अक्सर वाणी असंयम एवं बिगड़े बोल में हदें पार कर देते हैं। सुप्रीम कोर्ट के समय-समय पर दिए गए निर्देशों की भी इन्हें परवाह नहीं है। पूरे विश्व में आज जब हिंदुस्तान का डंका बज रहा है, तो देश के भीतर और देश के बाहर बैठी 'भारत विरोधी शक्तियां' एकजुट होकर राष्ट्रीय एकता एवं लोकतांत्रित मूल्यों के ताने-बाने को क्षत-विक्षित करना चाहती है। ऐसी शक्तियां किसी भी तरह भारत से विकास का एक कालखंड छीन लेना चाहती हैं। उन्हें नेताओं के बिगड़े बोलों से ऊर्जा मिलती है। सोचने की बात तो यह है कि राजनीतिक भावनाओं एवं नफरती सोच को प्रश्रय देने वाले नेताओं का भविष्य भी खतरे से खाली नहीं हैं। उनका भविष्य कालिमापूर्ण है। उनकी नफरती कोशिशों पर देश एवं दुनिया की नजरे टिकी हैं। वे क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, इसी से भारतीय लोकतंत्र की गरिमा दुनिया में बढ़ सकती है। जरूरत है कि हमारे राजनीति दल अपनी सोच को परिपक्व बनाये, मतभेदों को स्वीकारते हुए मनभेद को न पनपने दे।

राजनीतिक सिस्टम की रोग मुक्ति, स्वस्थ समाज एवं राष्ट्र का आधार होगा। राष्ट्रीय चरित्र एवं राजनीतिक चरित्र निर्माण के लिए नेताओं एवं उनके दलों को आचार संहिता से बांधना ही होगा। अब तो ऐसा भी महसूस होने लगा है कि देश की दंड व्यवस्था के तहत जहां 'हेट स्पीच' या बिगड़े बोल को नये सिरे से परिभाषित करने की आवश्यकता है वहीं इस समस्या से निपटने के लिए 'हेट स्पीच' एवं बिगड़े बोल को अलग अपराध की श्रेणी में रखने के लिए कानून में संशोधन का भी वक्त आ गया है?

अमरावती मॉडल देगा दुनिया के देशों को नई दिशा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा।

ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए जहां दुनिया के देशों में टुकड़ो-टुकड़ों में काम हो रहा है वहीं आंध्रप्रदेश की नई राजधानी अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने की दिशा में मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू ने काम भी शुरु कर दिया है। अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी से संचालित शहर बनाने में करीब करीब 65 हजार करोड़ रुपए की लागत आयेगी और सोलर, पवन और जल विद्युत पर आधारित इस परियोजना में अमरावती में उपयोग आने वाली सारी बिजली रिन्यूवल एनर्जी स्त्रोत से ही प्राप्त होगी। सर्वाधिक कार्बन उत्सर्जन करने वाली जीवाश्म ऊर्जा का अमरावती में नामोनिशान नहीं होगा। अपने आप में यह दुनिया के लिए ग्रीन एनर्जी के सपने को अमली जामा पहनाने की बड़ी, महत्वाकांक्षी और दुनिया के देशों के लिए प्रेरणीय पहल मानी जानी चाहिए। कोई इसे इतिहास रचने की बात करता है तो कोई ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में बड़ी और रचनात्मक पहल के रुप में देख रहे हैं। कहा जाए तो दुनिया के देश जिस तरह से ग्रीन एनर्जी के लक्ष्य को लेकर आगे बढ़ रहे हैं और जिस तरह से बड़े बड़े शिखर सम्मेलनों के साझा घोषणा पत्रों में घोषणाएं होती है उससे अलग हटकर आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चन्द्रबाबू नायडू की इस पहल को माना जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी स्वयं इस परियोजना की आधारशिला रखने जा रहे हैं। कृष्णा नदी के तट पर आंध्र की नई राजधानी की आधारशिला रखी जाएगी तो ग्रीन एनर्जी का यह प्रोजेक्ट 217 वर्गमीटर को समाये हुए होगा। अमरावती को पूरी तरह ग्रीन एनर्जी युक्त दुनिया का पहला शहर बनाने के लिए 2050 तक की मांग का आकलन कर लिया गया है करीब 2700 मेगावाट विद्युत की आवश्यकता होगी। इसमें स 30 प्रतिशत सोलर और पवन आधारित उर्जा होगी तो 70 प्रतिशत बिजली का उत्पादन पनबिजली आधारित होगी।

ग्रीन एनर्जी के चार प्रमुख स्त्रोत है। इसमें सूर्य की गर्मी आधारित सोलर ऊर्जा, हवा के झोकों पर आधारित पवन ऊर्जा, जल आधारित पन बिजली परियोजना और भूगर्भ के ताप आधारित भूतापीय ऊर्जा को रिन्यूवल एनर्जी के नाम से जाना जाता है। इसमें प्रमुखता से सोलर, पवन और पन बिजली को लिया जाता है। दरअसल जीवाश्म आधारित उर्जा जिसमें प्रमुखतः कोयला व लिग्नाइट का प्रयोग होता है उसके चलते जलवायु में तेजी से परिवर्तन हुआ है और आज दुनिया के देश तापमान वृद्धि को 1.5 प्रतिशत तक रखने के लिए जूझ रहे हैं। 2 प्रतिषत वृद्धि दर को डेढ प्रतिशत लाना टेड़ी खीर बना हुआ है। पेरिस घोषणा के अनुसार दुनिया के देशों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है अन्यथा जलवायु परिवर्तन के जिस तरह के परिणाम हम आये दिन देखने लगे हैं जिसमें तापमान में बढ़ोतरी, ग्लेशियरों का सिकुड़ना, अनपेक्षित मौसम चक्र कभी तेज गर्मी तो कभी तेज सर्दी और कभी तेज बरसात। आंधी तूफान, जंगलों में दावानल, तूफानों चक्रवातों के नए नए रुप और बार बार आवृति हमारे सामने हैं। समुद्र का जल स्तर बढ़ने से समुद्र किनारे के शहरों के सामने अस्तित्व का संकट आ गया है तो जंगलों के दावानलों का असर आसपास के शहरों खासतौर से अमेरिकी शहरों में देखा जा चुका है। सूखा और बाढ़ आम होती जा रही है तो दवाओं के बेअसर होने और संक्रामक रोगों की बढ़ोतरी सामने हैं। दुनिया के देश खासतौर से मौसम विज्ञानी इन हालातों को लेकर चिंतित है और जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को सीमित करने के उपायों को लेकर प्रयासरत है। हांलाकि इसमें सरकारों की ईच्छा शक्ति, संसाधन, आर्थिक सामाजिक हालात के साथ ही विकसित देशों द्वारा खुले दिल से सहयोग नहीं करना बड़ा कारण बनता जा रहा है।

ऐसा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से दुनिया के देश सावचेत नहीं हो। बल्कि इस दिशा में किये जा रहे प्रयासों को लेकर रेंकिंग भी जारी होने लगी है। जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन रेकिंग में भारत दसवें स्थान पर है हांलाकि यह इससे पहले के साल की तुलना में रेंकिंग पिछड़ी है। मजे की बात यह है कि हालिया सूचकांक के विश्लेषण से साफ हो जाता है कि आज भी इस सूचकांक को एक से तीन नंबर की रेंकिंग वाले देश की प्रतीक्षा है। रेकिंग में डेनमार्क शीर्ष पर है और उसका चौथे स्थान है। नीदरलैंड, इंग्लेण्ड, फिलिपिन्स, मोरक्को, नार्वे क्रमशः है तो भारत दसवें स्थान पर है। देश में रिन्यूवल एनर्जी की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। गुजरात के कांडला सेज को पूरी तरह से हरित औद्योगिक क्षेत्र बनाया गया है तो तमिलनाडु के महाबलीपुरम के शोर मंदिर को ग्रीन एनर्जी पुरातात्विक स्थल के रुप में पहचान मिल चुकी है। डेनमार्क का कोपेनहेगेन भी इसी श्रेणी में आता है। आस्ट्रेलिया का एडिलेड, कोरिया का सियोल, आइवरकोस्ट का कोकोडी, स्वीडन का मालमो और दक्षिणी अफ्रीका का केपटाउन ग्रीन एनर्जी की दिशा में बढ़ते हुए शहरों में से हैं। गुजरात के कांडला सेज में 1000 एकड में साढ़े तीन लाख पेड़ लगाया गया है। समुद्र के नमक के पानी से प्रभावित क्षेत्र को जलवायु की दृष्टि से करीब करीब बदल ही दिया गया है।

अमरावती को पूरी तरह से ग्रीन सिटी बनाने की दिशा में जो कार्य आरंभ हो रहा है वह समूची दुनिया के लिए एक मिसाल है। वहां पर सरकारी भवनों के साथ ही अन्य स्थानों पर सोलर पेनल और पवन उर्जा के स्त्रोत लगाये जाएंगे। पनबिजली परियोजना का संचालन होगा। पूरी तरह से ग्रीन एनर्जी का ही उपयोग होगा। हांलाकि यह अपने आप में चुनौतीभरा काम होगा पर ईच्छा शक्ति और कुछ नया करने की भावना से आगे बढ़ा जाता है तो फिर कोई कार्य असंभव नहीं होता है। हांलाकि केन्द्र व राज्य सरकारें अक्षय ऊर्जा के इस क्षेत्र में लगातार आगे बढ़ रही हैं। राजस्थान रिन्यूवल एनर्जी उत्पादन के क्षेत्र में समूचे देश में आगे है और भड़ला पार्क जैसे सोलर पार्क यहां विकसित हो चुके हैं। सरकार अब घरों की छतों पर सोलर एनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा दे रही है तो खेती में सोलर पंपों और अन्य कार्यों में उपयोग सकारात्मक प्रयास माने जा सकते हैं। पर अमरावती इन सबसे अलग इसलिए हो जाती है कि यहां समग्रता से प्रयास करते हुए समूचे शहर को ग्रीन एनर्जी युक्त बनाया जा रहा है यइ सराहनीय होने के साथ ही प्रेरक भी है।

काशी, अयोध्या की तर्ज होगा बृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का विकास
मंदिर ट्रस्ट के धन का होगा इस्तेमाल, सर्वोच्च न्यायालय का फैसला

अजय दीक्षित

आगामी कुछ दिनों बाद श्रद्धालुओं को बृंदावन में बांके बिहारी मंदिर में दर्शन के लिए संघर्ष नहीं करना होगा। उत्तर प्रदेश सरकार की एक याचिका पर सुनवाई कर मंदिर की आसपास की पांच एकड़ भूमि को अधिग्रहण करने की स्वीकृति दी है और साथ में 500 करोड़ रुपए मंदिर ट्रस्ट से खर्च करने की घोषणा को भी सही ठहराया है।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलाहाबाद हाइकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की थी जिसमें कहा गया था कि पांच एकड़ भूमि के विकास के लिए मंदिर बृंदावन ट्रस्ट के धन का उपयोग नहीं किया जाए। जनसंख्या दबाव के कारण भारत के प्रमुख मंदिर अव्यवस्था से जूझ रहे हैं जिनमें बृंदावन का सुप्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर भी हैं। बताया जाता है कि भगवान श्री कृष्ण की इस प्रतिष्ठित मूर्ति की प्राचीन काल में संत हरिदास महाराज ने स्थापित किया था।

कहते हैं कि ये 1600 ईसवी के आसपास की बात है। तत्कालीन समय में एक मंदिर भी बनाया गया था जो यमुना नदी के किनारे था तब यहां सघन बन हुआ करता था और उसमें बृंदा के पेड़ थे तो बृंदावन प्रचलित हो गया । संत हरिदास महाराज भगवान श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त थे और वह बन में पशु पक्षी, शेर भालू, चीते,हिरन, के साथ रहते थे और नित्य भोर यमुना नदी में स्नान करने के बाद श्री कृष्ण की सेवा में जुट जाते थे। तत्कालीन समय में मथुरा में कुछ बस्ती थी । एक भगवान श्री कृष्ण की जन्मभूमि थी जो लगभग महाभारत काल की ही थी। लेकिन समय के साथ बृंदावन में परिवर्तन हुआ। ब्रिटिश काल में 1884 में मंदिर का नए सिरे से निर्माण हुआ ।1970 तक यहां मंदिरों की स्थली ही थी जैसे पागल बाबा का मंदिर, द्वारिका धीश मंदिर आदि।

वर्तमान समय में बृंदावन एक तीर्थ स्थलों में से एक है ।यहां पूरे भारत से श्रद्धालुओं का आना जाना होता है। एक पर्यटक स्थल बन गया है बल्कि एक सर्किट बन गया है जिसमें गोकुल, दाऊजी, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना शामिल है लगभग सौ किलोमीटर की दूरी तक पहुंच गई है। एक अनुमान के मुताबिक मथुरा पूरे देश से पांच करोड़ लोगों प्रतिवर्ष दर्शन करने आते हैं ।इस लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निरीक्षण प्रतिवेदन के आधार पर मथुरा और आसपास के क्षेत्रों को नवीनतम प्रारूप में स्थापित करने का निर्णय लिया है। उत्तर प्रदेश सरकार ने केएनबीजी, (कोसी, नंदगांव, बरसाना, गोवर्धन) सड़क परिवहन निर्माण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है, मथुरा से डींग बाया गोवर्धन,तथा गोवर्धन सोख, गोकुल, सड़क परियोजना भी 1000 करोड़ की स्वीकृत की है। दिल्ली, आगरा, भरतपुर, से शनिवार को 5000 वाहन आते हैं और अब बृंदावन की पुलिस अधिकारियों के चुनौती बन गई है ट्रैफिक व्यवस्था। बांके बिहारी मंदिर के पास कुंज गालियां , उनमें बस्तियां हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की समिति की सिफारिश पर यह फैसला लिया है कि मंदिर बृंदावन ट्रस्ट के चारों ओर हरित क्षेत्र बनाया जाए और पूरी बस्ती का पुनर्वास कर अन्यत्र शिफ्ट किया जाए। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से उत्तर प्रदेश सरकार अब एक कोरिडोर का निर्माण कार्य शुरू कर सकती है जिसमें पर्यटकों को सुविधा मिल सके। हरित क्षेत्र में पेड़ो को उगाया जाए, हरियाली रहे। भगवान श्री कृष्ण और राधा रानी का दिव्य स्थान बने।

भारत सरकार में जब से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आसीन हुए हैं तब से काशी विश्वनाथ मंदिर, अयोध्या में भगवान श्री राम की जन्मभूमि पर भव्य दिव्य मंदिर मंदिर बने हैं। मैने कई दक्षिण भारत के मंदिरों के दर्शन किए हैं, जैसे मदुरई, रामेश्वरम, महाबलिपुरम, जगन्नाथपुरी, कोच्चि, त्रिचनापल्ली, पद्मनाभ मंदिर, द्वारिका, सभी अभी भी व्यवस्थित हैं। जबकि उत्तर भारत के मंदिरों में अव्यवस्था है चाहे वह केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमनोत्री, कैला देवी, हो । आजादी के 77 वर्ष बाद ये कार्य शुरू हो रहे हैं। जबकि विश्व में भारत ही ऐसा देश है जिसमें सनातन धर्म के मंदिर है ।नेपाल में यद्यपि पशुपतिनाथ मंदिर है। मगर व्यवस्था वहां भी ठीक नहीं है। वैसे कहना नहीं चाहिए लेकिन कांग्रेस सरकार रहते हिन्दुओं के तीर्थ स्थलों पर कोई कार्य नहीं किया गया।

जबकि भारत में 80 फीसदी से अधिक आबादी हिंदुओं की है। बताया जाता है कि सोमनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार प्रथम राष्ट्रपति स्व राजेंद्र प्रसाद ने कराया था। लेकिन स्व जवाहर लाल नेहरू राजेंद्रजी के इस निर्णय से सहमत नहीं थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि हे इस एक्सीडेंटल हिन्दू । नेहरू नहीं चाहते थे कि डॉ राजेंद प्रसाद, सर्वोच्च पद पर रहते किसी मंदिर का पुनर्वास कराए।

आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया

एक दूसरा तरीका यह है कि तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला पड़ गया है!

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तुर्किये और अजरबैजान ने पाकिस्तान का साथ दिया, इसलिए उन दोनों देशों के प्रति भारत में स्वाभाविक गुस्सा भड़का है। इसे जताने के लिए दोनों देशों के बहिष्कार का अभियान जोर पकड़ गया है। भारतीय सैलानी वहां के लिए अपनी बुकिंग रद्द करवा रहे हैं।

भारत सरकार ने भी तुर्किये के सोशल मीडिया हैंडल्स को देश में प्रतिबंधित करवा दिया है। लेकिन इस मुहिम के दौरान एक अजीब किस्म का विरोधाभास नजर आता है। पाकिस्तान का सबसे बड़ा मददगार कोई साबित हुआ है, तो वह चीन है। हालिया टकराव के समय भी उसने अपनी फौलादी दोस्ती निभाई और पाकिस्तान की संप्रभुता एवं सुरक्षा के लिए अपना समर्थन जताया।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया की रिपोर्टों पर ध्यान दें, तो संकेत मिलता है कि चीनी हथियार पाकिस्तान के लिए बेहद सहायक साबित हुए। और इस समय जबकि पाकिस्तान से तनाव कायम है, चीन ने भारत से लगी पूर्वी सीमा को गरमाने की कोशिश की है। अरुणाचल प्रदेश पर उसने फिर अपना दावा जता दिया है। मगर चीन के बहिष्कार की बात कहीं गायब है।

जबकि चीन का बहिष्कार अधिक आसान है। आखिर भारतीय बाजार चीन में बनी वस्तुओं से भरे पड़े हैं, जिनसे तुरंत तौबा की जा सकती है। बात इतनी ही नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर के समय इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी ने भी पाकिस्तान का पुरजोर समर्थन किया।

इसके सदस्य 57 देशों में यूएई और सऊदी अरब भी हैं, जिन्हें भारत का दोस्त बताया जाता है। उन सबके प्रति भी चुप्पी है। वैसे गुस्सा तो आजमाये हुए दोस्त रूस के प्रति भी होना चाहिए, जिसने इस मौके पर भारत का साथ नहीं दिया। उधर अमेरिका का ट्रंप प्रशासन अपने बयानों से लगातार भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर रहा है।

तो अपेक्षित यह है कि इन सबके प्रति भी भारतवासी आक्रोश की भावना रखें। या फिर एक दूसरा तरीका यह है कि इन तमाम देशों ने भारत से लगाव क्यों नहीं जाहिर किया, इस सवाल पर गंभीरता से विचार किया जाए। इस प्रश्न पर आत्म-मंथन की जरूरत है कि आखिर भारत दुनिया में क्यों इतना अकेला हो गया है!

भारत से हज यात्रियों का डिजिटल सशक्तिकरण

सीपीएस बख्शी, संयुक्त सचिव, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय, भारत सरकार

भारत सरकार ने हाल के वर्षों में समावेशी शासन पर अत्यधिक बल दिया है। एक ऐसा शासन, जो भूगोल, पृष्ठभूमि या विश्वास की परवाह किए बिना हर नागरिक तक पहुंचता हो। यह बात वार्षिक हज यात्रा के संचालन में भी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। एक नियमित प्रशासनिक क्रियाकलाप से दूर, यह एक विशाल मानवीय, कूटनीतिक और तार्किक संचालन है, जो अनेक राष्ट्रों और संस्कृतियों तक फैला हुआ है। सबका साथ, सबका विकास के लोकाचार से प्रेरित होकर सरकार ने हज प्रबंधन को 21वीं सदी की सेवा वितरण के मॉडल के रूप में परिणत कर दिया है।

भारत से हर साल लगभग 1.75 लाख तीर्थयात्री पवित्र हज यात्रा पर जाते हैं। सऊदी अरब साम्राज्य (केएसए) के साथ घनिष्ठ समन्वय में, भारतीय हज समिति के माध्यम से चार महीने तक चलने वाले इतने व्यापक और संवेदनशील ऑपरेशन का प्रबंधन करना राष्ट्रीय समन्वय, कूटनीति और सेवा का एक महत्वपूर्ण नमूना है। अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के माध्यम से भारत सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि यह आध्यात्मिक यात्रा निर्बाध होने के साथ-साथ गरिमापूर्ण, समावेशी और तकनीकी रूप से सशक्त भी हो। बिना किसी पक्षपात के सभी समुदायों की सेवा करने की अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता के साथ, सरकार हज के अनुभव को विदेशों में अब तक किए गए सबसे उन्नत सार्वजनिक सेवा संचालन में से एक के रूप में परिणत कर रही है।

हज सुविधा ऐप को भारत सरकार ने 2024 में लॉन्च किया था। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों के अनुभव को सरल और बेहतर बनाना था। इसके माध्यम से प्रत्येक तीर्थयात्री से जुड़े राज्य हज निरीक्षकों के विवरण के साथ-साथ निकटतम स्वास्थ्य सेवा और परिवहन सुविधाओं सहित आवास, परिवहन और उड़ान संबंधी विवरण जैसी सूचनाओं तक तत्काल पहुंच कायम करना संभव हो रहा है। यह ऐप शिकायत प्रस्तुत करने, उसकी ट्रैकिंग करने, बैगेज ट्रैकिंग, आपातकालीन एसओएस सुविधाएं, आध्यात्मिक सामग्री और तत्काल सूचनाएं प्राप्त करने में भी सक्षम बनाता है। पिछले साल 67,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने ऐप इंस्टॉल किया था, जो स्वीकृति की उच्च दर का संकेत देता है। केएसए में भारत सरकार द्वारा हाजियों के लिए स्थापित प्रशासनिक ढांचे द्वारा 8000 से अधिक शिकायतें और 2000 से अधिक एसओएस उठाए गए और उनका जवाब दिया गया।

ऐप की फीडबैक-संचालित डिजाइन तीर्थयात्रा की पूरी अवधि के दौरान निरंतर सुधार की सुविधा देती है। हज-2024 के दौरान ऐप से प्राप्त जानकारी ने 2025 के लिए हज नीति और दिशानिर्देश तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण इनपुट के रूप में काम किया। ये डेटा-समर्थित निर्णय भारत सरकार के अपने नागरिकों के लिए उत्तरदायी शासन के मॉडल का उदाहरण हैं। 2024 में इस सफलता को आगे बढ़ाते हुए, सरकार ने अब हज सुविधा ऐप 2.0 लॉन्च किया है। यह हज के पूरे दायरे को कवर करता है और तीर्थयात्रियों के लिए वास्तव में एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान तैयार करता है। हज 2.0 में हज यात्रियों के डिजिटल आवेदन, चयन (कुर्रा), प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन, भुगतान एकीकरण, अदाही कूपन जारी करने और रद्दीकरण तथा धन वापसी की प्रक्रियाओं से लेकर हज की पूरी प्रक्रिया शामिल है। अपडेट किया गया ऐप बैंकिंग नेटवर्क के साथ सहज एकीकरण प्रदान करता है, जिससे तीर्थयात्री यूपीआई, डेबिट/क्रेडिट कार्ड और इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर सकते हैं। यात्रा के दौरान सुविधा के लिए तत्काल उड़ान संबंधी सूची और इलेक्ट्रॉनिक बोर्डिंग पास भी प्रदान किए जाते हैं। ऐप को पेडोमीटर सुविधा के साथ संवर्धित किया गया है। इसका उद्देश्य तीर्थयात्रियों में पैदल चलने की आदत डालना है, ताकि उनमें आगे की कठिन यात्रा के लिए आवश्यक सहनशक्ति विकसित हो सके। तीर्थयात्रियों की सहायता के लिए तत्काल मौसम के अपडेट भी जोड़े गए हैं, ताकि तीर्थयात्रियों को जलवायु संबंधी प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में मदद मिल सके और साथ ही उन्हें स्वस्थ और हाइड्रेटेड रखा जा सके।

भारतीय हज चिकित्सा दल को सर्वश्रेष्ठ माना जाता है और यह मक्का एवं मदीना में हज के दौरान स्थापित क्षेत्रीय अस्पतालों तथा औषधालयों के नेटवर्क के माध्यम से तीर्थयात्रियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सेवाएं प्रदान करता है। एम्बुलेंस का एक नेटवर्क आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ई-हेल्थ कार्ड और ई-हॉस्पिटल मॉड्यूल को इस वर्ष ऐप के साथ जोड़ दिया गया है। इसका लक्ष्य तीर्थयात्रियों के लिए निर्बाध प्रवेश और उपचार सुनिश्चित करना है। इससे डॉक्टरों को उपचार के लिए उपलब्ध डेटा की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी और हज 2025 के लिए तीर्थयात्रियों को समुचित चिकित्सा सेवा प्रदान की जाएगी।

ऐप की बहुविध सराहनीय लगेज ट्रैकिंग प्रणाली को आरएफआईडी आधारित टैगिंग के साथ और उन्नत किया गया है। यह गुम हुए सामान को ट्रैक करने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा और उच्चतम स्तर की सेवा सुनिश्चित करेगा।

मीना, अराफात और मुजदलिफा सहित माशाएर क्षेत्र की डिजिटल मैपिंग द्वारा हज अनुष्ठानों के नेविगेशन को बदल दिया गया है। तीर्थयात्रियों को उनके गंतव्य तक मार्गदर्शन करने और रेगिस्तान की अत्यधिक गर्मी में खो जाने के जोखिम को कम करने के लिए शिविर स्थलों की पहचान की जाती है और मानचित्र पर ट्रैक किया जाता है। नमाज अलार्म, किबला कम्पास और अस्पतालों, बस स्टॉप, सेवा केंद्रों और भारतीय मिशन कार्यालयों की स्थान-आधारित मैपिंग जैसी सुविधाएं तीर्थयात्रियों के समग्र अनुभव और सुविधा को काफी समृद्ध करती हैं। एआई द्वारा संचालित एक चैटबॉट को डिजिटल पर्सनल असिस्टेंट के रूप में शामिल किया गया है। यह चैटबॉट संवादात्मक लहजे में नियमित प्रश्नों का उत्तर देने, तत्काल सहायता और सलाह प्रदान करने के लिए है। सुविधाओं का यह समग्र सेट सरकार की मंशा का संकेत है कि वह न केवल सेवा वितरण के साधन के रूप में प्रौद्योगिकी का लाभ उठाना चाहती है, बल्कि एक ऐसे उपकरण के रूप में भी है जो आध्यात्मिक पथ पर चलने वालों सहित सभी के लिए सम्मान, सुविधा और सक्षमता को सशक्त बनाता है।

हज सुविधा ऐप 2.0 भारत के डिजिटल सार्वजनिक इंफ्रास्ट्रक्चर में अग्रणी है और यह भारत सरकार के इस दृष्टिकोण का प्रमाण है कि शासन प्रत्येक नागरिक तक सार्थक तरीके से पहुंचे। प्रौद्योगिकी की शक्ति का इस्तेमाल करते हुए, भारत तीर्थयात्रियों के प्रबंधन के लिए नए अंतरराष्ट्रीय मानक स्थापित कर रहा है, जिससे अपने नागरिकों को निर्बाध, सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से बेहतर अनुभव मिल रहा है।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार 2025 के लिए नामांकन शुरू

दुर्ग। भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास, मंत्रालय, नई दिल्ली के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार वर्ष 2025 के लिए आवेदन ऑनलाईन पोर्टल https//awards.gov.in में 31 जुलाई 2025 तक लिए जाएंगे। विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले बच्चों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित कराने हेतु प्रतिवर्ष भारत सरकार, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्रदान किया जाता है। उक्त पुरस्कार हेतु जो बच्चे बहादुरी, खेल, सामाजिक सेवा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण के क्षेत्र में असाधारण पहचान हासिल की है तथा कला एवं संस्कृति और नवाचार जो राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता के पात्र है। पुरस्कार हेतु पात्रता आवेदक भारतीय नागरिक हो और भारत में निवास करता हो। आयु 5 वर्ष से अधिक और 18 वर्ष से कम (31 जुलाई 2025 को) होनी चाहिए। घटना या उपलब्धि आवेदन तिथि से अधिकतम दो वर्ष के भीतर होनी चाहिए। आवेदक ने पहले उसी श्रेणी में यह पुरस्कार न प्राप्त किया हो।

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु आवेदन 03 जून तक आमंत्रित

दुर्ग। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग-ग्रामीण के अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद पर भर्ती किया जाना है। आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन 03 जून तक बाल विकास परियोजना कार्यालय दुर्ग-ग्रामीण में कार्यालयीन समय में अथवा पंजीकृत डॉक द्वारा जमा किया जा सकता है। निर्धारित तिथि के पश्चात प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परियोजना अधिकारी से मिली जानकारी अनुसार आंगनबाड़ी केन्द्र सिरसा केन्द्र क्रमांक 01, ग्राम पंचायत सिरसा तथा नगपुरा केन्द्र क्रमांक 02 ग्राम पंचायत नगपुरा में आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

स्काउट, गाइड ने निकाली तिरंगा रैली

भिलाई। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर स्काउट गाइड के दैनिक चर्या कार्यक्रम के अंतर्गत भिलाई विद्यालय सेक्टर-2 के प्रशिक्षुओं ने तिरंगा रैली निकाली। यह देश भक्ति पूर्ण आयोजन ऑपरेशन, सिंदूर की सफलता से प्रेरित होकर किया गया। उक्त आयोजन के तारतम्य में सर्वप्रथम प्रशिक्षक डीटीसी डॉ. शीतल चंद शर्मा ने विद्यार्थियों का आह्वान किया कि हमें अपने सैनिकों के त्याग, बलिदान और शौर्य को नहीं भूलना चाहिए। साथ ही सभी स्काउट गाइड को शहीद हुए सैनिकों से साहस की प्रेरणा लेने हेतु प्रेरित किया। इसके पश्चात रैली सेक्टर-2 होते हुए से-3 और टाउनशिप के अन्य स्थानों पर गई। विद्यार्थियों के 'वंदे मातरम' के नारे से पूरा वातावरण गुंजायमान हो उठा। ज्ञातव्य है कि इस एक माह के प्रशिक्षण शिविर में इससे पूर्व राहगीरों को शीतल जल पिलाना और साइकिल रैली द्वारा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा चुका है।

राज्य बाल अधिकार आयोग की अध्यक्ष वर्णिका शर्मा ने ली समीक्षा बैठक

बाल श्रम रोकथाम के लिए दिए दिशा-निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग रायपुर की अध्यक्ष श्रीमती वर्णिका शर्मा के नेतृत्व में 18 मई को सर्किट हाउस दुर्ग में बाल अधिकारों की सुरक्षा एवं संवर्धन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, श्रम विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में बाल श्रम, किशोर न्याय, बच्चों की नशे की आदतों तथा मूलभूत सुविधाओं जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श और आगामी कार्ययोजना बनाई गई। उन्होंने कहा कि बाल श्रम समाज के लिए कलंक है और इसे जड़ से खत्म करने के लिए सभी विभागों को मिलकर अभियान चलाना होगा।

उन्होंने 'एकल खिड़की प्रणाली' लागू करने के निर्देश दिए, जिसके तहत बाल श्रमिक पाए जाने पर उनके पुनर्वास, परिवार को रोजगार और आर्थिक सहायता जैसे कार्य त्वरित रूप से एक ही स्थान से संपादित हो सकें। उन्होंने कहा हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि तब होगी जब एक भी बाल श्रमिक ना मिलें।

बाल कल्याण के लिए 'फ्रेंडली रेस्क्यू' और पुनर्वास पर जोर: रेस्क्यू के दौरान बाल श्रमिक बच्चों से मित्रवत व्यवहार रखने और उनकी पारिवारिक स्थिति को समझते हुए सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह किया गया। साथ ही बाल श्रमिकों के पुनर्वास के साथ-साथ उनके परिवारों को स्थायी रूप से आजीविका योजनाओं से जोड़ने की बात कही गई। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी शासकीय संस्थाओं में पेयजल, बिजली, शौचालय और साफ-सफाई जैसी मूलभूत सुविधाएं अनिवार्य रूप से होनी चाहिए। सामाजिक संगठनों के सहयोग से हाइजीन पर हल्ला बोल जैसे जागरूकता कार्यक्रमों को बढ़ावा देने को कहा।

नशा मुक्ति और किशोर न्याय पर गंभीर चर्चा

बच्चों में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति को गंभीरता से लेते हुए, नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र की स्थापना पर विचार किया गया। साथ ही दुर्ग जिले में किशोर न्याय अधिनियम 2015 (संशोधित 2021) के अंतर्गत लंबित 198 प्रकरणों की समीक्षा की गई। पुलगांव स्थित बाल संप्रेक्षण गृह का निरीक्षण भी किया गया, जहाँ बच्चों के साथ संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली गई और सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया। श्रीमती शर्मा ने विशेष रूप से कहा कि कानून के विरुद्ध कार्य करने वाले बच्चों को भी पहले एक सामान्य बालक की तरह देखा जाए। उन्होंने सभी विभागों से आग्रह किया कि वे अपने इमोशन्स को जोड़कर नवाचार करें और बच्चों के हित में निर्णय लें। जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि के सिद्धांत को व्यवहार में लाने की अपील की गई।

कलेक्टर ने जिले की खदानों में सुरक्षा व्यवस्था को बनाए रखने दिए निर्देश

खदान क्षेत्रों में तत्काल सुरक्षा उपाय लागू करें

श्रीकंचनपथ न्यूज

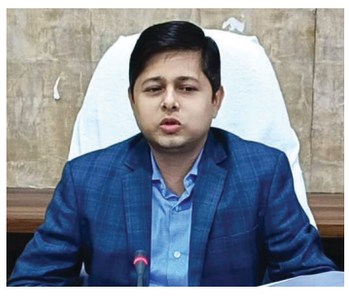

दुर्ग। जिले में पूर्व में संचालित रही लेकिन अब परित्यक्त खदानों तथा वर्तमान में चालू खदानों में सुरक्षा व्यवस्था के अभाव के चलते आए दिन दुर्घटनाएं सामने आ रही हैं। आम जनता, जनप्रतिनिधियों एवं समाचार माध्यमों के माध्यम से लगातार ऐसी शिकायतें जिला प्रशासन को प्राप्त हो रही हैं। खदानों में पानी भर जाने से बड़े-बड़े गहरे तालाब बन जाते हैं, जिनमें लोगों एवं मवेशियों के डूबने से मृत्यु की घटनाएं भी हो जाती है। जिला प्रशासन द्वारा ऐसी दुर्घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिजनों को आपदा राहत अंतर्गत आरबीसी-6-4 के तहत मुआवजा राशि दी जाती है।

इसके अलावा कई खदान क्षेत्रों में वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका भी बनी रहती है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने खनन कार्य संचालित करने वाले सभी पट्टेदारों को सख्त निर्देश जारी किए हैं। जिसमें खदानों में समुचित सुरक्षा व्यवस्था हेतु खदानों के चारों तरफ फेंसिंग/बाड़ निर्माण करें ताकि कोई भी व्यक्ति या पशु दुर्घटनाग्रस्त न हो सके। उत्खनन पट्टा अनुबंध की शर्तों के अनुसार पट्टेदार समस्त गड्ढों तथा खदानों को अच्छी तरह से तथा पर्याप्त रूप से सुरक्षित रखेगा।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्ग, धमधा, पाटन एवं भिलाई-3 के अनुविभागीय अधिकारी(रा.) को पत्र जारी कर अवगत कराया है कि छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम-2015 के तहत उत्खन्न योजना एवं जारी पर्यावरण स्वीकृति के शर्तों के अनुसार पर्याप्त सुरक्षा के उपाय हेतु खदानों के चारों ओर 7.5 मीटर पट्टी/बैरियर रखते हुए वृक्षारोपण किया जाना अनिवार्य होगा। छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम-2015 के उप नियम 24 के तहत उत्खनन योजना एवं आवश्यकतानुसार अतिरिक्त बेंचेस (खाईनुमा रहित) का निर्माण कराया जाए। स्वीकृत उत्खनन योजना में माईनिंग क्लोजर प्लान के तहत सुरक्षा मानक का ध्यान में रखकर खनन संक्रिया/आवश्यकतानुसार बेकफिलिंग/जल संग्रहण क्षेत्र का विकास करना होगा। जल एवं वायु प्रदूषण नियंत्रण अधिनियमों के तहत सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करना होगा।

कलेक्टर ने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व का ध्यान भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 152 से 163 तक की ओर भी आकृष्ट किया है, जो जनसुरक्षा एवं लोक व्यवस्था बनाए रखने हेतु बनाए गए हैं। धारा 152 की उपधारा (ङ) के अनुसार जहां ऐसे किसी मार्ग या लोक स्थान के पार्श्वस्थ किसी तालाब, कुएं या उत्खात को इस प्रकार बाड़ लगा दी जानी चाहिए कि जनता को होने वाले खतरे का निवारण हो सके ऐसी परिस्थिति में उपखण्ड मजिस्ट्रेट ऐसे तालाब या उत्खनन पर कब्जा रखने वाले व्यक्ति से बाड़ लगाने की अपेक्षा करते हुए सशर्त आदेश समय-सीमा तय करते हुए दे सकता है। यदि संबंधित व्यक्ति आदेश का पालन नहीं करता या उचित कारण नहीं दर्शाता, आदेश के अंतिमीकरण अवज्ञा के परिणाम तथा पुनरावृत्ति के प्रतिषेध संबंधी प्रावधान है। धारा 160 के अंतर्गत यदि कोई लोक न्यूसेंस (सार्वजनिक असुविधा/खतरा) हटाने की कार्यवाही नहीं करता है, तो मजिस्ट्रेट स्वयं उस कार्य को करवा सकता है, और उसमें लगे संपूर्ण खर्च की वसूली संबंधित व्यक्ति से की जा सकती है।

महिलाओं ने माथे पर सिंदुर लगाकर हाथों में पकड़ा तिरंगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रिसाली। नगर पालिक निगम रिसाली के तत्वधान में शहर की महिलओं ने बुधवार की शाम रैली निकाली। वे पहले एक दूसरे के माथे पर सिंदुर का तिलक की। इसके बाद हाथों में तिरंगा लेकर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, आयुक्त नगर पालिक निगम रिसाली मोनिका वर्मा के नेतृत्व में रैली निकाली। महिलाओं ने रैली तिरंगा के सम्मान में निकाली। ऑपरेशन सिंदुर के सफल होने पर दशहरा मैदान में महिलाओं ने आपस में सिंदुर का तिलक की। इसके बाद विधायक के नेतृत्व में रैली भारत माता के जयकारे लगाते हुए कृष्णा टाकिज रोड पहुंची। कृष्णा टाकिज रोड भ्रमण करते हुए रैली वापस शहीद स्मारक स्थल पहुंची। जहां महिलाओं ने और वरिष्ठ नागरिकों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किए।

स्लम क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बाल सुरक्षा, बाल विवाह और नशामुक्ति पर जागरूकता

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्देशानुसार ठगड़ा बांध पुलिस लाइन के पारा स्थित उड़िया बस्ती (स्लम क्षेत्र) में शुक्रवार शाम नुक्कड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक मुद्दों पर प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन आईसीपीएस, आईसीडीएस तथा एनजीओ स्टार फाउंडेशन की संयुक्त टीम द्वारा किया गया। शाम 6 बजे खुले मंच पर प्रस्तुत इस नुक्कड़ नाटक में बस्तीवासियों को गुड-टच, बैड-टच की समझ, बाल विवाह की हानियां और नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया गया। कोई बच्चा यदि श्रमिक के रूप में कार्यरत दिख रहा है या भीख मांगते हुए दिख रहा है या सड़क जैसी परिस्थितियों में मिले, ऐसे बच्चों के लिए चौबीस घण्टे टोल फ्री नम्बर 1098 पर तुरन्त सूचित करने की अपील की गई।

बाल विवाह के बारे में बताया गया कि बाल विवाह कानूनन अपराध है। सभी को यह भी जानकारी दिया गया कि वाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम-2006 के तहत 21 वर्ष से कम आयु के लड़के और 18 वर्ष से कम आयु की लड़की के विवाह को प्रतिबंधित करता है। अगर कोई 21 वर्ष से कम आयु के लड़के 18 वर्ष से कम आयु की किसी बालिका से विवाह करता या कराता है तो उसे 02 वर्ष तक के कठोर कारावास अथवा जुर्माना जो कि 01 लाख रूपए तक हो सकता है अथवा दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

कोई व्यक्ति जो बाल विवाह करवाता है, करता है अथवा उसकी सहायता करता है, उन्हें दण्डित किया जा सकता है तथा कोई व्यक्ति जो बाल विवाह को बढ़ावा अथवा जानबूझकर उसकी अनुमति देता है, बाल विवाह में सम्मिलित होता है, तो उसे भी दण्डित किया जा सकता है। बाल विवाह की सूचना व जानकारी प्राप्त होने पर 1098 चाईल्ड हेल्प लाईन दुर्ग में संपर्क कर सकते है। बाल विवाह न ही करे और करवाये। बाल विवाह से बच्चो की मनोदशा पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। साथ ही बाल विवाह पर शपथ दिलाई गई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना : मुस्लिम समाज के विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए विधायक ललित चंद्राकर

नवविवाहित जोड़ों को उनके नए जीवन की मंगलमयी शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत ग्राम मंचादुर में मुस्लिम समाज के इज्तेमाई निकाह (सामूहिक विवाह) कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दुर्ग ग्रामीण विधायक व राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सम्मिलित होकर नवविवाहित जोड़ों को उनके नए जीवन की मंगलमयी शुरुआत के लिए शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत कुल 10 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। सभी विवाहित जोड़े को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अन्तर्गत 3500 रूपये का चैक प्रदान किया। यह आयोजन सामाजिक समरसता, पारिवारिक सहयोग और शासन की जनकल्याणकारी नीतियों को धरातल पर उतारने का उत्कृष्ट उदाहरण रहा।

दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने सभी विवाहित जोड़ों पर पुष्प वर्षा कर मंगलकामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि समाज में विवाह केवल दो व्यक्तियों का नहीं, बल्कि दो परिवारों और संस्कृतियों का मिलन है। उन्होंने सभी नवदम्पतियों को प्रेम, विश्वास और समर्पण को अपने वैवाहिक जीवन का आधार बनाने की प्रेरणा दी। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लिए संबल प्रदान करने वाली है, जिससे समाज में बेटियों के विवाह में आने वाली कठिनाइयां कम होंगी।

हमारी सरकार समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है और इसी दिशा में यह योजना बेटियों के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। विवाह व इलाज दो ऐसे बड़े खर्च हैं जिन्हें अब सरकार उठा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का नि:शुल्क इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की सरकार ने गरीब परिवारों के लिए कन्या विवाह योजना को सशक्त बनाया है।

आगे श्री चंद्राकर ने कहा राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत प्रत्येक जोड़े के विवाह में 50 हजार रुपये की सहायता राशि दी जाती है। पहले यह राशि 25 हजार रुपये थी, जिसे हमारी सरकार ने बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दिया। इसमें 35 हजार रुपये की प्रोत्साहन और परिवहन सहायता राशि का चेक नवविवाहित जोड़ों को सौंपा गया, जबकि शेष राशि से वर-वधू को आभूषण, श्रृंगार सामग्री, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक वस्तुएँ प्रदान की गईं। श्री चंद्राकर आप सभी से निवेदन करता हूं कि आपके समाज की ओर से भी देश में एक साथ चुनाव हो एक देश एक चुनाव इस हेतु राष्ट्रपति महोदया जी को एक लेटर लिखना है जिससे देश में एक साथ चुनाव संपन्न हो।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics
9827183839
Rohit Electronics
94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

नालों पर बनाए मकानों के मालिकों को नोटिस जारी

रायपुर। नगर पालिक निगम रायपुर के सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने नगर निगम जोन क्रमांक-2 के अंतर्गत राजीव गाँधी वार्ड नम्बर 13 के क्षेत्र में वार्ड पार्षद एवं निगम वित्त विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र खोडियार, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लवनिया सहित अन्य सम्बंधित जोन 2 अधिकारियों की उपस्थिति में वार्ड के नालों और नालियों की बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का निरीक्षण और स्थल समीक्षा कर जोन कमिश्नर को इस सम्बन्ध में जनहित में व्यवस्था सुधारने आवश्यक निर्देश दिए।

सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने निरीक्षण के दौरान वार्ड 13 में टोटीविहीन सार्वजनिक नल से पेयजल बहते हुए देखा, तो उसमें तत्काल टोटी लगाकर पेयजल की बचत करवाने निर्देशित किया। सभापति ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यालय देवेन्द्र नगर के समीप के जाम नाले के मुहाने की सफाई करवाकर नाले का निकास खुलवाने के निर्देश दिए। पारस नगर क्षेत्र के नाले की तले तक सफाई करवाने निर्देशित किया। देवेन्द्र नगर में विद्यार्थी परिषद कार्यालय के सामने बारिश में जलभराव की समस्या दूर करने नई पुलिया का निर्माण करने और उक्त पुलिया से टिम्बर भवन होते हुए गुजराती स्कूल मार्ग तक बारिश में गन्दे पानी के सुगम निकास प्रबंधन हेतु नया नाला बनाने शीघ्र प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश जोन 2 जोन कमिश्नर को दिए हैं। सभापति ने वार्ड 13 क्षेत्र में नालों पर बनाये गए अवैध पाटों को तोड़कर व्यवस्थित सफाई कर बारिश पूर्व सुगम निकास व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। सभापति ने जोन 2 जोन कमिश्नर को राजीव गाँधी वार्ड क्रमांक 13 में टूटे-फूटे नालों में आवश्यक सुधार और मरम्मत कार्य तत्काल करवाने वार्ड हेतु संधारण मद राशि से 3 लाख रूपये की स्वीकृति देने के जनहित में निर्देश दिए हैं। सभापति ने देवेन्द्र नगर सेक्टर-3 क्षेत्र में नाले के ऊपर बनाये गए मकानों के सम्बंधित मकान मालिकों को जोन से तत्काल नियमानुसार नोटिस जारी कर प्रक्रिया के अंतर्गत आवश्यक कार्यवाही करवाने निर्देशित किया है।

केदार गुप्ता होंगे राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष, मद्दी को ब्रेवरेज की कमान

रायपुर। पिछले दिनों राज्य सरकार ने निगम-मंडल में नियुक्तियां की थी जिसमें से कुछ पर तकनीकी दिक्कतें आ रही थी इसलिए संशोधित आदेश के साथ इन्हे नई जिम्मेदारी सौंपी गई है जिसमें केदारनाथ गुप्ता अब राज्य सहकारी बैंक मर्यादित के अध्यक्ष होंगे। पहले उन्हे दुग्ध संघ का अध्यक्ष बनाया गया था। वित्त आयोग के अध्यक्ष बनाये गए श्रीनिवास राव मद्दी को ब्रेवरेज कार्पोरेशन का महत्वपूर्ण जिम्मा सौंपा गया हैं। शालिनी राजपूत समाज कल्याण आयोग की अध्यक्ष बनायी गई थीं, जो अब हस्तशिल्प संघ की अध्यक्ष होंगी। श्रीमती चंद्रक्रांति वर्मा को छत्तीसगढ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का उपाध्यक्ष बनाया गया है।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने सभापति सूर्यकान्त सहित बारिश पूर्व नालों की सफाई देखी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर नगर निगम के सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, एमआईसी सदस्य अवतार भारती बागल सहित जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे, कार्यपालन अभियंता पीडी धृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया, उप अभियंता सुधीर भट्ट, निर्मल तिग्गा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में राजधानी शहर नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न नालों में बारिश पूर्व सफाई व्यवस्था का फील्ड में उतरकर प्रत्यक्ष अवलोकन किया और स्थल समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए विधायक पुरंदर मिश्रा ने सभापति सूर्यकान्त राठौड़ सहित बारिश पूर्व नालों की सफाई देखी।

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने अधिकारियों को जयस्तम्भ चौक और आसपास के क्षेत्र में बारिश में होने वाले जलभराव को रोकने आगामी कार्ययोजना बनाकर जयस्तम्भ चौक से मधु स्वीट्स, बॉम्बे मार्केट होकर रजबंधा मैदान क्षेत्र होकर बड़े नाले में गंदे पानी का निकास जोड़ने दो मीटर चौड़ा नाला निर्माण करने प्रस्ताव शीघ्र बनाकर स्वीकृति हेतु राज्य शासन को भेजे जाने के निर्देश दिए हैं। सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने रजबंधा मैदान क्षेत्र में प्रेस काम्प्लेक्स से घूमकर जाने वाले गन्दे पानी का निकास सीधे जोड़ने निर्देशित किया है, ताकि गन्दे पानी का निकास रजबंधा मैदान क्षेत्र के प्रेस काम्प्लेक्स एरिया में तेजी से हो सके और जल के भराव की समस्या बारिश में सड़क मार्ग पर ना आये।

रायपुर उत्तर विधायक ने सभापति, आयुक्त, एमआईसी सदस्य, जोन कमिश्नर सहित जयस्तम्भ चौक, बॉम्बे मार्केट, रजबंधा मैदान, कल्लू गैरेज मौदहापारा, जोन 2 कार्यालय, सभापति ने इंदिरा गाँधी वार्ड के अंतर्गत तात्यापारा, बढ़ईपारा, अमीनपारा, केलकरपारा, स्टेशन क्षेत्र सहित वार्ड के विभिन्न क्षेत्रों की सफाई देखी और आवश्यक निर्देश दिए. सभापति ने कल्लू गैरेज मौदहापारा से जोन 2 कार्यालय तक नया नाला गन्दे पानी की सुगम निकासी का प्रबंधन देने निर्माण करने शीघ्र प्रस्ताव बनाकर शासन को स्वीकृति हेतु भेजने और आगामी कार्ययोजना में इसे सम्मिलित करने के निर्देश दिए हैं।

सभापति ने मोमिनपारा में निगम के बारहमासी बोरवेल में बड़ी मात्रा में मलमा डालकर बोरवेल की कैसिंग पाईप को जाम करने की जानकारी को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बंधित व्यक्ति को तत्काल नोटिस देकर और सम्बंधित व्यक्ति से नियमानुसार प्रक्रिया के अंतर्गत क्षतिपूर्ति वसूल कर नगर निगम के बोरवेल को मोमिनपारा में शीघ्र प्रारम्भ करवाने के निर्देश दिए हैं। सभापति ने इंदिरा गांधी वार्ड के केलकरपारा में दो व्यक्तियों द्वारा अवैध दीवार बनाकर नाली पर किये गए अवैध कब्जे को शीघ्र तोड़कर व्यवस्थित नाली सफाई तले तक लद्दी निकालकर बारिश पूर्व करवाने के निर्देश जोन कमिश्नर और जोन स्वास्थ्य अधिकारी को दिए हैं।

भाजपा रायपुर शहर जिला ने महारानी अहिल्या बाई होलकर के जीवन पर कार्यशाला का किया आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पुण्यश्लोका महारानी अहिल्या बाई होलकर को 300 वीं जन्म जयंती को भारतीय जनता पार्टी द्वारा भारत के प्रत्येक राज्य के सभी जिलों में आयोजित करने जा रही है अहिल्या बाई होलकर जयंती पर भाजपा विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करने जा रही है जिसमें कार्यशाला प्रमुख है विगत दिनों भारतीय जनता पार्टी छत्तीसगढ़ प्रदेश द्वारा कार्यशाला के आयोजन के पश्चात अब जिलेवार कार्यशाला का आयोजन होना तय है इसी कड़ी में सोमवार राजधानी रायपुर स्थित एकात्म परिसर में भाजपा रायपुर शहर जिला द्वारा अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर के नेतृत्व में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

आयोजित कार्यशाला में विशेष रूप से विधायक गण, मंडल और आयोग अध्यक्ष और प्रदेश भाजपा और शहर जिला के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में रायपुर शहर जिला के कार्यकर्ता उपस्थित थे उक्त कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में छत्तीसगढ़ बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्षा वर्णिका शर्मा उपस्थित थी उन्होंने उपस्थित समुदाय को संबोधित किया उन्होंने कहा कि राज-व्यवस्था, न्याय और सुशासन महारानी अहिल्या बाई होलकर के शासन अहम पहचान: वर्णिका शर्मा छत्तीसगढ़ बाल संरचना आयोग की अध्यक्षा वर्णिका शर्मा ने कहा कि आज 300 वर्ष के बाद हमें पुण्यश्लोका महारानी अहिल्याबाई होलकर के बारे में जानने का अवसर मिला है, यह पार्टी कार्यकर्ताओं के नाते हमारे लिए और सभी परिवारों के लिए सौभाग्य का विषय है।

उन्होंने देवी अहिल्याबाई को महिला सशक्तीकरण का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनका पूरा जीवन सामाजिक सुधारों, सुशासन की अवधारणा को धरातल पर साकार करने और सांस्कतिक पुनर्जागरण के लिए समर्पित रहा। श्रीमती शर्मा सोमवार को यहां एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में महारानी अहिल्याबाई की 300वीं जयंती के आयोजन के निमित्त आहूत कार्यशाला को मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित कर रही थीं।

श्रीमती शर्मा ने महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल की चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासनकाल में हो रहे जन कल्याण और महिला सशक्तीकरण के काम महारानी अहिल्याबाई के शासनकाल से पूरी तरह जुड़ाव रखते हैं। सांस्कृतिक उत्थान, धर्म स्थलों के निर्माण व संरक्षण की दिशा में किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए श्रीमती सिंग ने कहा कि 26 वर्षों तक शासन करते हुए अहिल्याबाई ने राज-व्यवस्था, न्याय और सुशासन को एक मील की पत्थर की तरह स्थापित किया। कृषि, पर्यावरण, प्रजा कल्याण और जीव जन्तुओं की चिंता करने वाली लोकमाता अहिल्यादेवी के शासनकाल में कभी अकाल नहीं पड़ा। महिलाओं को उन्होंने सैन्य टुकड़ी में शामिल किया, ठीक उसी तरह आज भी महिलाएं भारतीय सेना में नेतृत्व कर रही है।

हालिया ऑपरेशन सिंदूर में व्योमिका सिंह व सोफ्या कुरैशी के रणनीतिक नेतृत्व कौशल का उल्लेख करते हुए श्रीमती सिंह ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई की तरह आज मोदी शासनकाल में भी महिलाओं के सर्वतोमुखी विकास व कल्याण के साथ-साथ उनके आर्थिक समाजिक व राजनीतिक सशक्तीकरण की दिशा में काम हो रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी लोकमाता अहिल्याबाई की जीती जागती परछाई है उन्होंने कहा कि आज महारानी अहिल्याबाई से प्रेरणा लेकर उनके व्यक्तित्व और कर्तव्य को आत्मसाध करने की जरूरत है। कांग्रेस ने महारानी अहिल्या बाई होलकर सहित उन सभी के योगदान को दबाया जिन्होंने समाज सुधार और सनातन प्रतीकों की रक्षा की: शशांक शर्मा आयोग के अध्यक्ष शशांक शर्मा ने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस शासनकाल के दौरान यह शिगूफा छोड़ा गया कि देश की आजादी कांग्रेस ने दिलाई। कांग्रेस इस झूठे नैरेटिव सेट कर शासन किया , महारानी अहिल्याबाई के सुशासन और कर्त्तव्यपरायणता, सांस्कृतिक धरोहर और विरासत को कांग्रेस ने देश से छिपाने का काम किया।

इन तथ्यों से देश को अवगत कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि यह शक्ति की आराधना है। रानी अहिल्याबाई के सुशासन को आत्मसाध करने का यह अवसर है। रानी अहिल्याबाई के शासनकाल में सामाजिक सरोकारों से जुड़े अनेक कार्य किए। मंदिरों का निर्माण कर मालवा राज को सुरक्षित और विकसित करने के काम किया। शिक्षा के क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किये। आज यह सभी कार्य हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। श्री देव ने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन सहित पार्टी के अनेक कार्यक्रम साथ-साथ चल रहे हैं। जिसमें अपनी सक्रियता के साथ-साथ पार्टी कार्यकर्ता रानी अहिल्याबाई के व्यक्तित्व और कर्तव्य से देश को अवगत कराने में पूरी प्रामाणिकता के साथ जूटें। यह मात्र कार्यशाला नहीं अपितु भारत के सांस्कृति, धार्मिक और सामाजिक सुधारकों के पुण्य स्मरण का भव्य है।

रमेश सिंह ठाकुर भारतीय जनता पार्टी रायपुर शहर जिला अध्यक्ष रमेश सिंह ठाकुर ने कार्यशाला में उपस्थित पदाधिकारियों कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह मात्र एक कार्यशाला नहीं अपितु भारत में सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक सुधार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली पुण्य आत्माओं का पुण्य स्मरण रूपी भव्य है। महारानी अहिल्या बाई होलकर का स्नान धर्म के प्रतीकों के संरक्षण में और साथ ही साथ सामाजिक सुधारों में महत्वपूर्ण योगदान रहा उन्होंने भारत के अधिकाधिक ज्योतिर्लिंगों जीर्णोद्धार करने में अपना योगदान दिया अपने शासन के दौरान उन्होंने सामाजिक न्याय को विशेष स्थान दिया साथ ही प्रजा की व्यवस्थाओं के प्रति वचनबद्ध होकर कार्य को प्रमुखता से स्थान दिया।

रानी अहिल्या बाई के 26 वर्ष के कार्यकाल के दौरान कभी उन्होंने अकाल और भुखमरी जैसी स्थिति उत्पन्न नहीं होने दी सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक सुधारों और सनातन के पुण्य प्रतीकों को पुन: स्थापित करने में उनके योगदान को भारत वर्ष युगों युगों तक याद करेगा। एकात्म परिसर में आहूत कार्यशाला में मंच संचालन जिला महामंत्री सत्यम दुआ और आभार प्रदर्शन महिला मोर्चा अध्यक्षा सीमा संतोष साहू ने किया आज आहुत कार्यशाला में विशेष रूप से सुनील सोनी जी विधायक दक्षिण पुरंदर मिश्रा जी विधायक उत्तर, राजीव अग्रवाल किशोर महानंद सूर्यकांत राठौर प्रफुल्ल विश्वकर्मा अशोक पांडे प्रभा दुबे सुभाष तिवारी चन्नी वर्मा अकबर अली गोपी साहू आशु चंद्रवंशी हरि सिंह ठाकुर राजू मिश्रा सुभाष अग्रवाल, तुषार चौपडा, संजय तिवारी, जितेन्द्र गोलछा, अनिल बाघ, रमेश मिरघानी, डॉक्टर अनामिका सिंह सरिता दुबे सविता साहू गायत्री नौरंगी मिली बनर्जी रेहाना खान सरिता वर्मा अनामिका शर्मा मीना ठाकुर कामिनी पुरुषोत्तम देवांगन सीमा साहू रमेश शर्मा अनिल बाग सभी मंडल अध्यक्ष जिला मोर्चा अध्यक्ष एवं सैकड़ो संख्या में पार्टी की कार्यकर्ता उपस्थित थे।

साउथ आफ्रीका के मरीज की अम्बेडकर अस्पताल रायपुर में हुई सफल सर्जरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। पं. जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय एवं डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय स्थित जनरल सर्जरी विभाग के डॉक्टरों ने राजधानी रायपुर में पढ़ाई कर रही साऊथ अफ्रीकी छात्रा के गाल ब्लैडर के स्टोन की सफल लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी सर्जरी कर विगत छह महीनों से मरीज को रह-रहकर उठने वाले पेट दर्द की समस्या से निजात दिलाई है। हालांकि यह सर्जरी विभाग में रूटीन में होती है लेकिन विगत दिनों की गई लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी इसलिए विशेष है कि छात्रा ने सर्जरी के लिए अपने देश वापस जाने की बजाय अम्बेडकर अस्पताल के डॉक्टरों पर भरोसा करते हुए यहीं सर्जरी कराने का निश्चय किया। मरीज के अटेंडर सिबोनेलो सनेलिस जुंगु का कहना है कि भारत के डॉक्टर साउथ अफ्रीका में मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज कर रहे तो हम भी भारत में क्यों नहीं इलाज करा सकते? हमें यहां के डॉक्टरों पर पूरा भरोसा है।

जनरल सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू सिंह के अनुसार, राज्य के निजी विश्वविद्यालय में बीएससी साइकोलॉजी में अध्ययनरत 21 वर्षीय छात्रा को 06 मई 2025 की रात को पेट में तीव्र दर्द की शिकायत हुई। साथ में उल्टी और भूख नहीं लग रही थी। छात्रा निजी अस्पताल में गई जहां उसकी जांच में पित्ताशय की पथरी होने की पुष्टि हुई। मरीज के परिजनों ने विगत कुछ समय से चिकित्सा महाविद्यालय एवं अम्बेडकर अस्पताल में हुई कई सफल ऑपरेशन के बारे में सुना था। इसके साथ ही दक्षिण अफ्रीका के कई अस्पतालों में भारतीय डॉक्टर सेवा दे रहे हैं जिससे मरीज के घरवालों का विश्वास भी यहां के डॉक्टरों के प्रति बरकरार है। अंतत: उनके घरवालों को विश्वविद्यालय द्वारा सूचना दी गई और उनके अटेंडर ने अम्बेडकर अस्पताल का चयन किया और मरीज को यहां लेकर आये। जहां पर सर्जरी विभाग में मरीज का उपचार चला। सभी जांचें हुईं और मरीज की लेप्रोस्कोपिक कोलेसिस्टेक्टॉमी मिनिमल इनवेसिव सर्जरी की गई। सर्जरी के बाद मरीज का कहना है कि वह पहले से बहुत अच्छा महसूस कर रही है और उसे अब पेट में दर्द भी नहीं हो रहा है।

डॉ. मंजू सिंह के अनुसार, जब ये छात्रा यहां भर्ती हुई तब हमने नियमानुसार सबसे पहले इसकी सूचना चिकित्सा महाविद्यालय के डीन डॉ. विवेक चौधरी और अम्बेडकर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर को दी। डीन डॉ. विवेक चौधरी एवं अधीक्षक डॉ. संतोष सोनकर ने मरीज की सर्जरी से संबंधित समस्त औपचारिकताओं को अतिशीघ्र पूर्ण कराकर विदेशी छात्रा के इलाज को सफल बनाने में अपना योगदान दिया। साथ ही छात्रा के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। सर्जरी के बाद मरीज स्वस्थ होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो गई है। मरीज का ऑपरेशन करने वाली टीम में डॉ.मंजू सिंह के साथ डॉ.अमित अग्रवाल, डॉ. मनीष साहू, डॉ.अंजलि जालान, डॉ. आयुषी गोयल, डॉ.पूजा जैन एवं एनेस्थीसिया टीम में डॉ. प्रतिभा शाह एवं डॉ. मंजुलता टंडन एवं शामिल रहीं।

शहर में जलसंकट और अस्पतालों में असुविधा, हाईकोर्ट ने जताई नाराजगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर-बिलासपुर। हाईकोर्ट ने बिलासपुर जिले में जल संकट, शहर में जलभराव की समस्या और सफाई व्यवस्था को लेकर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने मीडिया रिपोर्ट को जनहित याचिका माना है। जिसमें राजधानी रायपुर के डीकेएस और अंबेडकर अस्पताल की अव्यवस्थाओं पर भी स्वत: संज्ञान लिया है। दोनों मामलों में डिवीजन बेंच ने नगर निगम आयुक्त और अस्पताल के डीन को शपथपत्र के साथ जवाब मांगा है। केस की अगली सुनवाई 22 मई को होगी।

दरअसल, भीषण गर्मी में बिलासपुर जिले में पेयजल की समस्या हो रही है। स्थिति यह है कि पूरे जिले में पीने के पानी को लेकर लोग परेशान हैं। शहर में पाइपलाइन खराब है, जिसके चलते घरों में गंदा और बदबूदार पानी पहुंच रहा है। शहर के कई मोहल्लों में टैंकर से पानी की सप्लाई की जा रही है, जिसके चलते पीने के पानी के लिए मारामारी की स्थिति बन रही है। वहीं, गांवों में पानी की टंकी और पाइपलाइन तो बिछी है, लेकिन पानी नहीं आ रहा। पीएचई विभाग के पास उन गांवों की सूची तक नहीं है, जहां पानी की किल्लत है। वहीं, नगर निगम हर साल बारिश से पहले और बाद में नालों की सफाई करवाता है। दावा किया गया कि सभी 8 जोनों में रोस्टर बनाकर नालों की सफाई की जा रही है। निगम का कहना है कि इस बार जलभराव नहीं होगा। लेकिन, हकीकत यह है कि शहर के कई इलाकों में बारिश के दौरान जलभराव हो जाता है। इससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी होती है। बड़े नालों की सफाई अब तक शुरू नहीं हुई है।

जल संकट, जलभराव और सफाई की अव्यवस्था को लेकर आई खबरों को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका मानकर सुनवाई शुरू की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस एके प्रसाद की डिवीजन बेंच ने मामले में नगर निगम आयुक्त को शपथपत्र के साथ अगली सुनवाई से पहले जवाब प्रस्तुत करने के लिए कहा है। हाईकोर्ट ने राजधानी रायपुर के डीकेएस हॉस्पिटल और अंबेडकर अस्पताल की अव्यवस्था को भी संज्ञान में लिया है। अस्पताल में मरीजों के साथ आए परिजन खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं, जैसी खबरों को हाईकोर्ट ने जनहित याचिका माना है। खबर के अनुसार भीषण गर्मी में अस्पताल के पार्किंग क्षेत्र, खुले स्थान और बरामदे में बिना पंखे-कूलर के रह रहे हैं। अस्पताल का यूटिलिटी एरिया कई सालों से बंद है। जिसकी वजह से मरीजों और परिजन को परेशानियां हो रही है। मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को खुले आसमान के नीचे रहना पड़ रहा है। यहां पंखा- कूलर के बगैर उन्हें दिन गुजारना पड़ रहा है।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में किया गया स्वागत सबसे अलग और अनूठा रहा - महापौर

राजनीति में ईमानदारी, सेवाभावना और जवाबदेही का होना जरूरी - सोनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा शान्ति सरोवर रिट्रीट में नगर पालिक निगम रायपुर के नवनिर्वाचित महापौर, सभापति एवं पार्षदों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ब्रह्माकुमारीज एवं राजयोगा एजुकेशन रिसर्च फाउण्डेशन के राजनीतिक सेवा प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। विषय था-राजधानी को स्वच्छ और सुन्दर बनाने में मेरी प्राथमिकताएं।

रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी ने सभी पार्षदों से कहा कि वह ईमानदारी, सेवा भावना और जवाबदेही के साथ राजनीति में काम करें। जब तक मन में सेवा भाव जागृत नहीं होगा तब तक सफल राजनेता नहीं कहलाएंगे। कोविड ने हमको यह सिखाया है कि हमारे साथ कुछ भी नहीं जाने वाला है। सिर्फ हमारे कर्म ही साथ जाएंगे। इसलिए पैसे के पीछे कभी मत भागना। उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि यहाँ की बहनें संयमित जीवन जीती हैं इसलिए इनकी वाणी का दिल पर प्रभाव पड़ता है। उन्हें इस संस्थान में बहुत कुछ सीखने को मिला।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने कहा कि उन्हें यहाँ आकर गौरवान्वित महसूस हो रहा है। हमारा अनेक जगह स्वागत किया गया लेकिन यहाँ बहनों के द्वारा किया गया स्वागत सबसे अलग है। ब्रह्माकुमारी संस्थान वसुधैव कुटुम्बकम की भावना को चरितार्थ करती है। यही भावना इस देश की सुन्दरता है। इस संस्थान में सभी जाति, धर्म और सम्प्रदाय के लोग आते हैं। हमें शान्ति की जरूरत थी जो कि आज यहाँ आकर मिली। हमारा यह प्रयास है कि जिस विश्वास के साथ जनता ने हमें चुना है हम उस विश्वास पर खरा उतरें। शहर को स्वच्छ और सुन्दर बनाने के कार्य में ब्रह्माकुमारी बहनों का मार्गदर्शन मिले यही अपेक्षा है।

सभापति सूर्यकान्त राठौर ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्थान का नाम लेते ही मन में सेवाभाव पैदा हो जाता है। यह संगठन आमजन को भारतीय संस्कृति से जोड़कर सेवा करना सिखाता है। मुझे वर्षों पहले इस संस्थान से जुड़कर जीवन के सत्य को जानने और अनुभव करने का सौभाग्य मिला। जीवन में लक्ष्य को पाने के लिए एकाग्रता जरूरी होती है। इसलिए सभी पार्षदों के लिए राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास सीखने की जरूरत है। अपनी प्राथमिकता तय करके काम करें तो सफलता अवश्य मिलेगी।

रायपुर उत्तर के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि हम लोग शान्ति की खोज में यहाँ-वहाँ भटक रहे हैं किन्तु शान्ति हमारे ही अन्दर है। भटकते हुए मन को यहाँ शान्ति मिली। वर्तमान कलियुग में मायाजाल से हटकर ऐसी शान्त जगह आने का अवसर मिला तो अच्छा लगा। यहाँ आना भी सौभाग्य की बात है। हम सब मिलजुलकर प्रयास करें तो शहर स्वच्छ और सुन्दर अवश्य बनेगा।

रायपुर संचालिका ब्रह्माकुमारी सविता दीदी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि आप सब सुबह से अपने वार्ड की समस्याओं को लेकर व्यस्त हो जाते हैं लेकिन सुबह की शुरूआत यदि राजयोग मेडिटेशन से करें तो बिना तनाव में आए सेवा कर सकेंगे। आपको जनता की दुआएं प्राप्त करने का सुनहरा अवसर ईश्वर ने दिया है। दुआएं प्राप्त करने के लिए जीवन का मंत्र है कि समय के पाबन्द रहें। राजयोग मेडिटेशन को जीवन में अपनाएं। राजयोग से हमारा जीवन सयंमित और अनुशासित होता है। उन्होंने कमेन्ट्री के द्वारा सभी को राजयोग का व्यवहारिक अभ्यास भी कराया। कार्यक्रम की शुरूआत बच्चों के द्वारा प्रस्तुत स्वागत नृत्य से की गई। स्थानीय गायिका कु. शारदा नाग ने मधुर स्वर में प्रेरणादायक गीत गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्माकुमारी अदिति दीदी ने किया।

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरी फायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई

पूरे परिवार एवं दोस्तों के लिए
1 चश्में की खरीदी पर 1 चश्मा बिल्कुल फ्री
1 प्रोग्रेसिव लेंस पर 1 प्रोग्रेसिव लेंस फ्री
4 जोड़ी कलर कॉन्टेक्ट लैंस की खरीदी पर 1 जोड़ी कलर कॉन्टेक्ट लैंस फ्री
प्लेनट आई
120 ए मार्केट, संगम डेयरी के सामने, भिलाई, मो. 6260992500
पीयूष ऑप्टीकल कं.
नंदनी रोड, ब्रीज की तरफ भिलाई
फोन: 9826132760, 0788-4039142

जयपुर की एक्ट्रेस रुचि गुर्जर ने ऐसा कौन-सा नेकलेस पहना, जिसे देख होने लगी चर्चा?

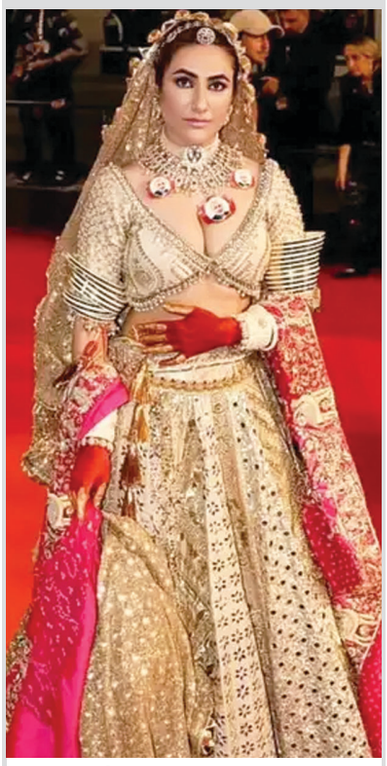

जयपुर की एक्ट्रेस रुचि गुर्जर जब कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पहुंची, तो सबका ध्यान उनके गले में पहने नेकलेस पर रहा, जिसकी खूब चर्चाएं हो रही हैं।

जयपुर के कलाकार दुनियाभर में अपनी पहचान बना रहे हैं। ऐसे ही जयपुर की एक्ट्रेस रुचि गुर्जर ने हाल ही में अपनी फिल्म लाइफ के लिए भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए फ्रांस में 24 मई तक आयोजित कांस फिल्म फेस्टिवल-2025 में पहुंची, जहां उनके स्टाइलिश और ट्रेंडी लुक ने सबका ध्यान खींचा। रुचि गुर्जर ने राजस्थानी वेशभूषा में कांस के रेड कारपेट पर अपना जलवा बिखेरा। हर साल कांस फिल्म फेस्टिवल में कई बॉलीवुड के टॉप सेलिब्रिटी पहुंचते हैं।

आपको बता दें कि जयपुर की एक्ट्रेस रुचि गुर्जर जब कांस फिल्म फेस्टिवल के रेड कार्पेट पर पहुंची, तो सबका ध्यान उनके गले में पहने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फोटो वाला नेकलेस पर रहा, जिसकी खूब चर्चाएं हो रही हैं। राजस्थान वेशभूषा के लहंगे और अनोखे नेकलेस से रुचि गुर्जर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा, जिसके बाद वह लाइमलाइट में आ गई। जयपुर की एक्ट्रेस रुचि गुर्जर 78वें कांस फिल्म फेस्टिवल में अपनी आने वाली मूवी लाइफ के प्रमोशन के लिए पहुंची हैं। रूचि गुर्जर के लिए ख़ासतौर पर कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए आउटफिट को राजस्थान की डिजाइनर रूपा शर्मा ने तैयार किया है।

आपको बता दें कि एक्ट्रेस रुचि गुर्जर राजस्थान के झुंझुनूं की रहने वाली हैं, जिन्होंने कॉलेज की पढ़ाई जयपुर की महारानी कॉलेज की और फिर फिल्मी दुनिया का रूख करते हुए मुंबई पहुंच गई और अब मुंबई से वह कांस फिल्म फेस्टिवल तक पहुंच गई हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीरों से सजे जड़ाऊ हार पहनकर उन्होंने एक अनोखा संदेश दिया है।

धमाल मचाने को तैयार रूचि गुर्जर

आपको बता दें कि एक्ट्रेस रुचि गुर्जर कई वीडियो एलबम में काम किया है। साथ ही यूट्यूब पर 'जब तू मेरी ना रही' गाने को लोगों ने खूब पंसद किया। इस गाने पर करोड़ व्यूज आ चुके हैं, जल्द ही उनकी फिल्म बड़े पर्दे पर रिलीज़ होने जा रही है, जिसके बाद वह और भी कई फिल्मों में नजर आएंगी।

जल्द बड़े पर्दे पर रिलीज होने वाली हैं रूचि गुर्जर की फिल्म लाइफ

एक्ट्रेस रुचि गुर्जर की फिल्म लाइफ में उन्होंने ऐसी महिला की भूमिका निभाई है, जो सामाजिक दबावों, पारिवारिक संघर्षों और मानसिक पीड़ा से जूझती हैं। फिल्म की विषयवस्तु आत्महत्या और गर्भपात जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बात करेगी। आपको बता दें कि इस फिल्म में रुचि के साथ अभिनेता निशांत मलकानी भी नजर आएंगे

आठ महीने की बच्ची लेकर घर से भागीं, जानिए कौन हैं रुखसार रहमान; 'पीके' में निभाया था अहम रोल

'सरकार', 'पीके', 'उरी', '83' जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री रुखसार रहमान का जीवन काफी मुश्किलों से भरा रहा है। बचपन से ही अभिनय करने की उनकी भूख ने तमाम मुश्किलों के बाद भी उन्हें इंडस्ट्री में बने रहने की ताकत दी। जानते हैं कैसे 17 साल की उम्र में शादी होने के बाद उन्होंने जिंदगी में किन कठिनाईयों का सामना किया और क्यों अपनी आठ महीने की बच्ची को लेकर पति के घर से भाग गईं।

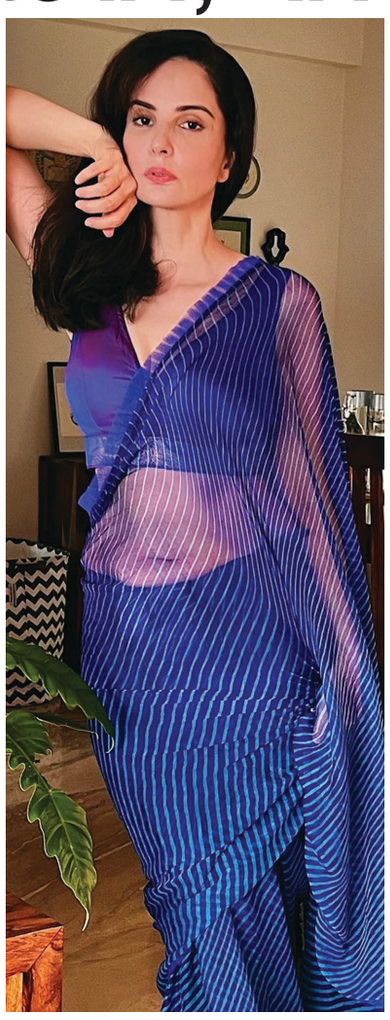

माता-पिता ने छुड़वाया अभिनय

अभिनेत्री रुखसार रहमान ने कई सारे डेली सोप और 'पीके', 'सरकार' और 'गॉड तुस्सी ग्रेट' हो जैसी फिल्मों में कैमियो किया है। रुखसार को मनोरंजन उद्योग में जगह बनाने के लिए बहुत संघर्षों का सामना करना पड़ा है। दिग्गज अभिनेता ऋषि कपूर के साथ काम करने के बाद भी, माता-पिता के दबाव के कारण रुखसार को अभिनय छोड़ना पड़ा।

17 साल की उम्र में की शादी

अभिनेत्री रुखसार महज 17 वर्ष की थीं, जब उन्होंने दीपक आनंद की 'याद रखेगी दुनिया' (1992) से अभिनय करियर शुरुआत की थी। उन्होंने ऋषि कपूर के साथ फिल्म 'इंतेहा प्यार की' में भी काम किया। हालांकि, अभिनेत्री के माता-पिता ने उन्हें जबरन अभिनय छोड़ने के लिए मजबूर किया और उनकी शादी करवा दी। 19 साल की उम्र में उनकी बेटी आयशा का जन्म हुआ।

8 महीने की बच्ची के साथ छोड़ा घर

बेटी के जन्म के बाद अभिनेत्री एक अच्छी पत्नी बनने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन फिर भी सब कुछ ठीक नहीं रहा। उनकी शादी में परेशानियां दिखने लगी और वह टूट गई। एक रात वह अपनी आठ महीने की बेटी को लेकर अपने पिता के घर वापस लौट आईं।

रोजी-रोटी के लिए खोला बुटीक

पिता के घर आने के बाद अभिनेत्री ने अपनी जिंदगी को फिर से शुरू करने के लिए अपने गृहनगर रामपुर, उत्तर प्रदेश में एक गारमेंट बुटीक खोला। हालांकि, उनके अंदर की अदाकारा हमेशा इंडस्ट्री में वापस आने की चाहत रखती थी और अंत मं यही हुआ।

बेटी को छोड़कर किया मुंबई का रुख

कई साल बीत जाने पर रुखसार ने तय किया कि उन्हें अपने सपने को पूरा करना है। अभिनेत्री ने अपनी बेटी को माता-पिता के पास छोड़कर मुंबई का रुख किया। अपनी बेटी को छोड़ना उनकी जिंदगी का सबसे मुश्किल काम रहा। एक दशक बाद साल 2005 में उन्होंने छोटे-मोटे रोल से शुरुआत की। उन्होंने 'डी', 'सरकार', 'पीके', 'उरी', '83' जैसी फिल्मों में छोटी भूमिकाएं अदा करते हुए अपने करियर को फिर से जिंदा किया।

निर्माता फारुक कबीर से की शादी

वर्षों बाद अभिनेत्री रुखसार ने फिल्म निर्माता फारुक कबीर से शादी की, लेकिन उन्होंने 13 साल बाद तलाक के लिए अर्जी दी। इससे वह काफी दुखी हुईं। हालांकि, उनकी बेटी ने उनका पूरा साथ दिया। अभिनेत्री के आगामी कार्यों की बात करें तो वह फिल्म 'उत्तर दा पुत्तर' में दिखाई देंगी।

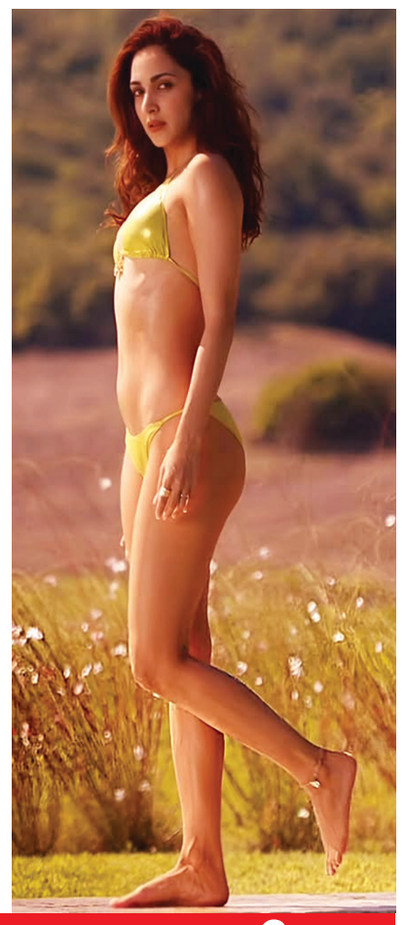

नींद पूरी न होने से परेशान हुई राशि खन्ना, बताई वजह

अभिनेत्री राशि खन्ना का शेड्यूल काफी व्यस्त चल रहा है, जिस वजह से उनकी नींद भी पूरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीर शेयर की, जिसमें उनकी आंखें लाल हैं। अभिनेत्री ने बताया कि उनकी नींद पूरी नहीं हुई, जिस वजह से उनका यह हाल है। इसके साथ ही उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई कि उनकी नींद पूरी क्यों नहीं हो पा रही है।

शूटिंग शेड्यूल की वजह से नींद पूरी न होने की व्यथा सुनाने के लिए राशि ने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन का सहारा लिया। उन्होंने अपनी नो-मेकअप लुक तस्वीर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, लाल आंखें, क्योंकि नींद उन लोगों के लिए है, जो सूर्योदय से पहले स्टंट नहीं करते हैं।

इससे पहले अभिनेत्री ने लजीज व्यंजनों के साथ अपनी तस्वीर शेयर की थी। अपने पोस्ट में राशि ने प्रशंसकों को सेट पर अपने खाने के रोमांच की झलक दिखाई, जिसमें वह दक्षिण भारतीय व्यंजनों का स्वाद लेती कैमरे में कैद हुई थीं। राशि खन्ना साउथ फिल्म इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक जाना-माना नाम है।

उन्होंने 2013 में बॉलीवुड में जॉन अब्राहम की फिल्म मद्रास कैफे से कदम रखा था। फिल्म में उन्होंने रूबी का किरदार निभाया, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। अगले साल 2014 में उन्होंने फिल्म उहालु गुसागुसालदे से तेलुगु सिनेमा में डेब्यू किया और 2018 में फिल्म ईमैक्का नोडिगल से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत की।

एक्टिंग के साथ-साथ राशि बेहतरीन गायिका भी हैं। वह तेलुगू भाषा में प्लेबैक सिंगिंग करती हैं। राशि की पिछली रिलीज 'द साबरमती रिपोर्ट' थी, जिसमें उन्होंने दमदार पत्रकार की भूमिका निभाई थी। विवादों में रहने के बावजूद फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अपना कमाल दिखाने में सफल रही और अपने विषय वस्तु की वजह से उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में टैक्स फ्री कर दी गई थी। फिल्म में राशि के साथ रिद्धि डोगरा और विक्रांत मैसी मुख्य भूमिकाओं में हैं। अपकमिंग फिल्म की बात करें तो राशि खन्ना के पास इस साल कुछ रोमांचक प्रोजेक्ट हैं, हालांकि अभी तक उनके बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। वह हाल ही में एक्सेल एंटरटेनमेंट के ऑफिस में नजर आई थीं।

डीप नेक हाई स्लिट ड्रेस में वाणी कपूर का बोल्ड अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर एक बार फिर अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक बेहद हॉट तस्वीर शेयर की है, जो ज़ी सिने अवॉर्ड्स 2025 इवेंट से ली गई है।

वाणी ने इस अवॉर्ड शो में डीप नेक और हाई स्लिट वाली ब्लैक-येलो ड्रेस में गॉर्जियस पोज दिए जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस फोटो में वाणी का स्टाइल और कॉन्फिडेंस देखते ही बनता है। खुले बाल, न्यूड मेकअप और स्टेटमेंट ईयररिंग्स के साथ वाणी ने अपने लुक को मिनिमल लेकिन बेहद अट्रैक्टिव रखा। इस पोस्ट को अब तक हजारों लाइक्स और कमेंट्स मिल चुके हैं। फैंस उनके लुक को फायर और स्टनिंग जैसे कमेंट्स से नवाज रहे हैं।

वाणी कपूर ने पोस्ट के कैप्शन में केवल ज़ी सिने अवार्ड्स को टैग करते हुए ब्लैक और येलो हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया, जो उनके लुक की थीम को भी दर्शाता है।

वाणी का ये ग्लैमरस लुक उनके फैशन सेंस की तारीफ करने के लिए काफी है। उनका ये डैयरिंग अवतार यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक टैलेंटेड एक्ट्रेस ही नहीं बल्कि फैशन डीवा भी हैं। ज़ी सिने अवॉर्ड्स के रेड कार्पेट पर उनका यह स्टाइलिश अंदाज हर किसी का ध्यान खींचने में कामयाब रहा।

वॉर-2 से कियारा आडवाणी का गोल्डन बिकिनी लुक वायरल

जूनियर एनटीआर और ऋतिक रोशन की फिल्म में एक्शन का जबरदस्त तड़का

'वॉर 2' का टीजर आखिरकार रिलीज हो गया है और इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। ऋतिक रोशन एक बार फिर रॉ एजेंट कबीर के रूप में लौटे हैं जबकि जूनियर एनटीआर इस बार विलेन के अवतार में नजर आ रहे हैं। लेकिन इन सबके बीच जिस चीज ने फैंस का सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है वो है कियारा आडवाणी की बोल्ड गोल्डन बिकिनी लुक।

कियारा आडवाणी, जो इस वक्त प्रेग्नेंट हैं, ने 'वॉर 2' के टीजर में पहली बार बिकिनी में ऑन-स्क्रीन एंट्री ली है। यह उनका पहला एक्शन फिल्म और पहली YRF स्पाई यूनिवर्स मूवी है। उनके लुक की सोशल मीडिया पर जमकर चर्चा हो रही है। कुछ ही सेकेंड्स की झलक ने फैंस को दीवाना बना दिया है और उनके बिकिनी अवतार की फोटोज और वीडियोज इंटरनेट पर वायरल हो रही हैं।

टीजर में हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंसेस देखने को मिलते हैं-तलवारबाजी, कार चेज और एयरबोर्न फाइट्स, जो इस फिल्म को स्पाई-थ्रिलर की कैटेगरी में अगले स्तर पर ले जाती हैं। लेकिन कियारा का ग्लैमरस लुक हर फ्रेम में अलग चमक जोड़ता है। कियारा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर टीजर को शेयर करते हुए लिखा, इस फिल्म में कई पहली बार हैं। मेरी पहली वाईआरएफ फिल्म। पहली एक्शन फिल्म। पहली बार इन दो जबरदस्त हीरोज के साथ काम। अयान के साथ पहली कोलैबोरेशन। और हां, पहला बिकिनी शॉट। उम्मीद है टीजर ने आपको एक्साइट कर दिया होगा।

'वॉर 2' का निर्देशन अयान मुखर्जी ने किया है, जो इससे पहले ब्रह्मास्त्र और वेक अप सिड जैसी फिल्मों में निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म 2019 की सुपरहिट फिल्म 'वॉर' का सीक्वल है जिसमें टाइगर श्रॉफ और वाणी कपूर ने भी अहम भूमिका निभाई थी। इस बार फिल्म 14 अगस्त 2024 को रिलीज होगी, जो इंडिपेंडेंस डे वीकेंड पर धमाकेदार एंट्री के लिए तैयार है।

अब देखना दिलचस्प होगा कि ऋतिक, जूनियर एनटीआर और कियारा की ये तिकड़ी बॉक्स ऑफिस पर कितना धमाल मचाती है। फिलहाल तो टीज़र ने फैंस के बीच काफी उत्साह भर दिया है।

कॉन्स 2025 में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा ग्लैमर का जादू, लोगों ने कहा-श्रीदेवी जैसी

कॉन्स 2025 का आगाज 13 मई से हो चूका है, जो कि 24 मई तक चलने वाला है। इस 78वें फिल्म फेस्टिवल में आए दिन भारतीय स्टार्स का रेड कारपेट पर जलवा देखने को मिल रहा है। अब एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी इस प्रतिष्ठित मंच पर अपना डेब्यू कर लिया है। जान्हवी, फिल्म 'होमबाउंड' के प्रमोशन के सिलसिले में कान पहुंचीं और रेड कार्पेट पर अपने पहले कदम के साथ ही चर्चा का विषय बन गईं।

जान्हवी कपूर का कान डेब्यू

जान्हवी कपूर के लिए यह कान डेब्यू बेहद खास रहा। खुद जान्हवी ने भी माना कि पहली बार का अनुभव हमेशा यादगार होता है। इस मौके पर जान्हवी ने फैशन डिजाइनर तरुण तहिलियानी का कस्टम आउटफिट पहना, जिसने उनके लुक को ग्लैमरस और एलिगेंट दोनों बना दिया। उनकी ड्रेस में बनारस की खास टिशू फैब्रिक से बनी प्लीटेड स्कर्ट और कोर्सेट शामिल था, जिसे रिया कपूर ने स्टाइल किया। वहीं, एक लंबी ड्रेप और स्लीक बन ने उनके लुक में शाही अंदाज जोड़ दिया।लेयर्ड पर्ल नेकलेस और डायमंड स्टड्स के साथ उन्होंने अपने लुक को कंप्लीट किया।

अभिनेत्री श्रीदेवी की झलक देख फैंस हुए भावुक

जान्हवी के इस खूबसूरत लुक ने कई फैन्स को उनकी मां और दिग्गज अभिनेत्री श्रीदेवी की याद दिला दी। सोशल मीडिया पर कई यूजर्स ने लिखा कि जान्हवी बिल्कुल श्रीदेवी की तरह लग रही हैं। उनका ग्रेस और स्टाइल दोनों ही लोगों को भावुक कर गया।

'होमबाउंड' की टीम के साथ कान में दिखाई दी जान्हवी

जान्हवी कपूर के साथ फिल्म 'होमबाउंड' की टीम भी कान में मौजूद रही। फिल्म के निर्देशक नीरज घेवान, और सह-कलाकार ईशान खट्टर और विशाल जेठवा भी रेड कार्पेट पर नजर आए। इसके अलावा निर्माता करण जौहर भी इस खास मौके पर मौजूद रहे। उनकी मौजूदगी ने इवेंट में बॉलीवुड का प्रतिनिधित्व और भी प्रभावशाली बना दिया।

बालों में लगाने वाली मेहंदी में मिलाएं ये चीजें, बाजार के कलर से भी ज्यादा अच्छा आएगा रंग

बालों में मेहंदी लगाने का तरीका चाहे जो भी हो, लोगों को एक बात से हमेशा दिक्कत होती है कि इसका रंग नारंगी आता है। अगर आपको भी यह समस्या है, तो चलिए हम आपको कुछ टिप्स बताते हैं रंग बदलने के।

अगर आप उन लोगों में से हैं जिन्हें बालों में मेहंदी लगाना पसंद है, तो यकीनन कुछ समस्याएं आपको होती होंगी। जैसे मेहंदी लगाने के बाद कुछ बाल छूट जाना, मेहंदी लगाने के बाद सफेद बालों का नारंगी हो जाना, बालों का रूखा हो जाना आदि। अब अगर सफेद बालों को रंगने के लिए सस्ते डाई का प्रयोग किया जाए, तो वह हेयर फॉल और कई समस्याओं का कारण बन जाता है। अगर उसकी जगह महंगा हेयर कलर लगाया जाता है, तो यकीनन यह समझने में दिक्कत होती है कि केमिकल अपने स्कैल्प में लगाने के साथ-साथ वह बहुत ज्यादा महंगा भी होता है। ऐसे में मेहंदी से मनचाहा रंग पाना भी आसान नहीं है। ऐसे में अगर आपको मेहंदी से जुड़ी इन तीन समस्याओं का हल चाहिए तो हम आपको कुछ हैक्स

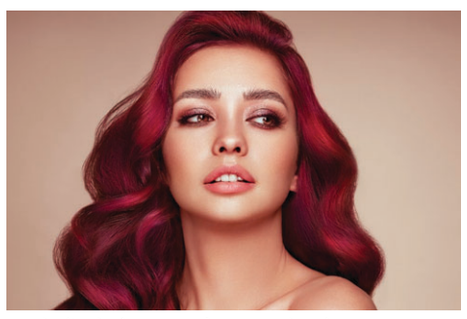

बताते हैं। ये हैक्स आपके काम को और ज्यादा आसान कर देंगे।

मेहंदी लगाने पर बाल छूट जाते हैं तो क्या करें?

अगर आपके बालों में मेहंदी लगाते समय बाल बार-बार छूट जाते हैं, तो आपको कुछ चीजों का ध्यान रखना है। मेहंदी सिर से मध्य से लगाना शुरू करें जहां से जूड़ा बनाया जाता है। अधिकतर लोग सामने से मेहंदी लगाना शुरू करते हैं जिसके कारण पीछे के बालों को ठीक तरह का कवरेज नहीं मिल पाता है। मेहंदी का घोल बहुत पतला या बहुत गाढ़ा ना रखें। इसकी कंसिस्टेंसी वैसी ही होनी चाहिए जैसे डोसे के बैटर की होती है। मेहंदी को हमेशा जड़ों से लगाना शुरू करें। स्कैल्प में मेहंदी नुकसान नहीं पहुंचाती है इसलिए जड़ों को छोड़ते हुए इसे ना लगाएं। मेहंदी से सिर के सभी बालों का पूरा कवरेज होना चाहिए।

मेहंदी लगाने पर बाल रूखे हो जाते हैं तो क्या करें?

मेहंदी घोलते समय थोड़ा सा दही भी मिला लें। ऐसा इसलिए ताकि बालों को मेहंदी की ड्राईनेस से बचाया जा सके। दही बालों को पोषण देता है और इसका लैक्टिक एसिड हमेशा अच्छा माना जाता है। कई लोग मेहंदी में तेल मिला लेते हैं जो गलत है। तेल मिलाने के कारण बालों में मेहंदी का रंग ठीक तरह से चढ़ नहीं पाता। इसके साथ ही, कुछ लोग नींबू का रस बालों में लगाते हैं। इसे भी नहीं करना चाहिए। यह लॉन्ग रन में बालों की सेहत को खराब करता है। नींबू का रस एसिडिक होता है और इसलिए यह स्कैल्प को नुकसान पहुंचा सकता है। मेहंदी में दही जैसे एजेंट्स को मिलाना सही होगा।

मेहंदी लगाने पर आता है लाल रंग तो क्या करें?

हम आपको दो-तीन अलग-अलग तरीके बताते हैं जिनकी मदद से मेहंदी के रंग में बदलाव किया जा सकता है।

बालों में चाहिए बरगंडी रंग तो क्या करें?

अगर हम मार्केट में आने वाले रंगों की बात करें, तो बरगंडी रंग काफी चर्चित रहता है। ऐसे में यह रंग मेहंदी से भी आ सकता है। आप मेहंदी घोलने के लिए हमेशा लोहे की कढ़ाई का इस्तेमाल करें। आप मेहंदी घोलते समय पानी में 1 चम्मच चाय की पत्ती, दो चम्मच कॉफी और आधा कप ग्रेटेड बीटरूट को उबालें। इस मिक्सचर को 5 मिनट उबालने के बाद छान लें और फिर इस पानी को ठंडा करने के बाद मेहंदी को घोलें। आपको इसे कम से कम 5-8 घंटे भीगने देना है और उसके बाद बालों पर लगाना है।

बालों में चाहिए ब्राउन रंग तो क्या करें?

बालों में अगर मेहंदी के साथ ब्राउन रंग चाहिए, तो आप सिर्फ कॉफी पाउडर को मिक्स करें। पानी को उबालते हुए कॉफी पाउडर की दो चम्मच डालें और उसके साथ थोड़ा सा कत्था डाल दें। इसे छानकर फिर ठंडा करें और उस पानी से मेहंदी घोलें। इसे भी आपको कम से कम 5-8 घंटे तक भीगने देना है।

बालों में चाहिए काला रंग तो क्या करें?

अगर आपको बालों में काला रंग चाहिए तो मेहंदी पाउडर के साथ-साथ इंडिगो पाउडर भी मिलाएं। चाय की पत्ती के पानी के साथ मेहंदी घोलें। अगर मेहंदी 3 बड़े चम्मच है, तो दो बड़े चम्मच इंडिगो पाउडर घोलें। इसे अच्छे से घोलकर बालों में लगाएं। सफेद बालों को रंगने के लिए अगर आप मेहंदी का इस्तेमाल करती हैं, तो रंगों के लिए इस तरह से अलग-अलग एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं।

जल को सिर्फ संसाधन नहीं, संस्कार के रूप में अपनाएं - साव

हाइड्रोलॉजिस्ट्स, कॉलोनाइजर्स, उद्योग समूह और राज्य शासन के विभिन्न विभागों ने भू-जल और वर्षा जल के प्रभावी संरक्षण पर किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय भू-जल संवर्धन मिशन (शहरी) के शुभारंभ पर आयोजित कार्यशाला में 'जल संरक्षण की प्राचीन परंपरा और वर्तमान में इसे पुनर्जीवित करने की जरूरत' पर पीपीटी के माध्यम से अपनी बातें रखीं। उन्होंने रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में कार्यशाला में मौजूद विशेषज्ञों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, अभियंताओं, स्वयंसेवी और गैर-सरकारी संगठनों से कहा कि इस गर्मी में सभी लोगों ने महसूस किया होगा कि जल संरक्षण क्यों जरूरी है।

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग भी गंभीरता से इसे महसूस कर वर्षा जल और भू-जल संवर्धन का अभियान मिशन मोड पर शुरू कर रही है। इसमें सभी शहरवासियों की सहभागिता जरूरी है। कार्यशाला में हाइड्रोलॉजिस्ट्स, कॉलोनाइजर्स, उद्योग समूह और राज्य शासन के विभिन्न विभागों ने भू-जल और वर्षा जल के प्रभावी संवर्धन पर चार घंटे तक संवाद किया। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव और भारत के वाटरमैन के नाम से प्रसिद्ध राजेन्द्र सिंह ने ओपन सेशन में प्रतिभागियों के सवालों के जवाब भी दिए।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अपने प्रस्तुतिकरण में कहा कि आने वाली पीढ़ी के लिए जल को सहेजकर रखना हमारा सामाजिक दायित्व है। हमारे पूर्वजों ने भावी पीढ़ियों के लिए तालाब, कुएं और बावली बनाकर जल संरक्षित किया था। बाद की पीढ़ियों ने इनके संरक्षण-संवर्धन पर ध्यान नहीं दिया। नतीजतन, आज बड़ी संख्या में ये पट गए हैं या अतिक्रमण का शिकार हो गए हैं। जलस्त्रोतों के प्रति हमारी उदासीनता ने आज हमें जल संकट की ओर धकेल दिया है। श्री साव ने प्राचीन भारतीय ग्रंथों में उल्लेखित जल के महत्व को रेखांकित करते हुए इसके संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जल न सिर्फ प्यास बुझाता है, अपितु यह संस्कृति, आस्था और जीवन का संगम है। जल संरक्षण जरूरत नहीं, हमारा सामाजिक दायित्व है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्यशाला में प्रतिभागियों को भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि हमने नए तालाब और नए कुएं खोदने बंद कर दिए हैं। जल की हमारी सभी जरूरतों के लिए हम सरकार पर आश्रित हो गए हैं। हमने पूर्वजों के दिए स्त्रोतों को भी संरक्षित नहीं किया। इसने एक बड़ी विसंगति को जन्म दिया है। एक ओर गर्मी में बूंद-बूंद के लिए संघर्ष करते हैं तो दूसरी ओर बरसात में बाढ़ झेलते हैं। श्री साव ने कार्यशाला में शहरों में जल संकट की प्रमुख चुनौतियों को सामने रखते हुए भू-जल और वर्षा जल के संरक्षण के विभिन्न तरीकों को प्रभावी रूप से अमल में लाने पर जोर दिया।

भारत के वाटरमैन के नाम से मशहूर राजेन्द्र सिंह ने कार्यशाला में कहा कि छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य है जिसने शहरी जल के पुनर्भरण का जिम्मा लिया है। इसके लिए मैं उप मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री अरुण साव को बधाई देता हूं। समाज को अपनी जिम्मेदारियों को समझते हुए राज्य के साथ मिलकर जल संरक्षण करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि हम पानी का अनुशासित उपयोग करेंगे तो पेयजल, निस्तारी, सिंचाई, खेती और उद्योग सभी के लिए पर्याप्त पानी मिलेगा। हम जलस्त्रोतों के रिचार्ज की तुलना में डिस्चार्ज ज्यादा कर रहे हैं। इससे स्थिति बिगड़ती जा रही है। उन्होंने भारतीय ग्रंथों में जल के महत्व और इसके संयमित उपयोग का जिक्र करते हुए कहा कि भारत का प्राचीन ज्ञान, तकनीक, अभियांत्रिकी, संस्कृति और संस्कार धरती की पोषक हैं, शोषक नहीं। हमें धरती के पर्याप्त पोषण पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा।

राजेन्द्र सिंह ने खेती के चक्र को वर्षा के चक्र के साथ जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शहरों के चारों ओर की खेती को शहरों में पानी की जरूरत के अनुकूल करना होगा। शिक्षा के पाठ्यक्रम में पानी की पढ़ाई शामिल करना चाहिए। विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए जल साक्षरता का अभियान चलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि धरती के पोषण और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जल, जंगल और जमीन के रिश्ते को समझना जरूरी है। भावी पीढ़ी को जल, जंगल और जमीन के रक्षण, संरक्षण और पोषण का महत्व समझाना होगा। श्री सिंह ने कार्यशाला में सर्वसम्मति से गंदे पानी को साफ पानी के साथ नहीं मिलने देने का संकल्प पारित करने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी शहरों में वाटर-बॉडीज की पहचान और सीमांकन कर उन्हें अधिसूचित करने का भी सुझाव दिया, जिससे इन पर अतिक्रमण को रोकने स्थानीय शासन द्वारा प्रभावी कदम उठाए जा सके। भू-वैज्ञानिक डॉ. विपिन दुबे ने कार्यशाला में रायपुर शहरी क्षेत्र के भूगर्भीय जलस्त्रोतों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग के प्रभावों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हम बारिश के पानी को व्यर्थ बहने देते हैं, जबकि इसका उपयोग जलस्तर को रिचार्ज करने में किया जाना चाहिए। उन्होंने उपयोग किए हुए पानी के रिसायकल और रियूज पर भी जोर दिया।

भू-पंजीयन में क्रांतिकारी सुधार से समय व धन की होगी बचत-राजस्व मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व से जुड़े रजिस्ट्री में लागू 10 नये जनोपयोगी सुधारों के सम्बन्ध में आज बुधवार को बलौदाबाजार के जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रशिक्षण सह कार्यशाला का आयोजन किया गया। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए पंजीयन में सरलीकरण हेतु 10 क्रांतिकारी एवं जानोपयोगी सुधार लागू किये हैं।

रजिस्ट्री में इन नये सुधार से किसानों एवं भूमि स्वामी के शक्ति, समय एवं धन की बचत होगी। यह सुधार फर्जी रजिस्ट्री और भ्रष्टाचार नियंत्रण में प्रभावी साबित होगा। उन्होने कहा कि पहले रजिस्ट्री होने के बाद नामांतरण के लिए तहसील कार्यालय का चक्कर लगाना पडता था, लेकिन नये सुधार लागू होने से रजिस्ट्री होने के बाद स्वत: नामांतरण हो जाएगा। उन्होने कहा कि हमारी सरकार 16 महीने में अनेक जन हितैषी योजना लागू की है।राजस्व से सम्बधित कार्य सहजता से हो इसके लिए प्रयास कर रही है। अब राजस्व अभिलेख के त्रुटि सुधार का अधिकार तहसीलदार को दिया गया है,जिससे जल्द काम हो रहा है। इसके साथ ही जिओ रेफ्रेंसिंग से सीमांकन का काम भी सहजता व बिना विवाद के होगा।

कलेक्टर दीपक सोनी ने अवगत कराया कि रजिस्ट्री में 10 नए सुधार जिले के 3 तहसील में शुरू हो गया है। इन नये सुधार से भूमि की खरीदी बिक्री के साथ रजिस्ट्री में सहुलियत होगी। नामांतरण के साथ बी 1 खसरा भी सुधर जाएगा।

खास खबर

स्वास्थ्य मंत्री एक दिवसीय प्रवास पर पहुंचे कोरबा, कटघोरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया निरीक्षण

कोरबा। प्रदेश के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज एक दिवसीय प्रवास पर कोरबा पहुंचे। प्रवास के दौरान उन्होंने कटघोरा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। मंत्री श्री जायसवाल ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण करते हुए मरीजों की समस्याएं नजदीक से जानीं और मौके पर उपस्थित चिकित्सक,अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से अस्पताल में गर्मी के मौसम को ध्यान में रखते हुए भर्ती मरीजों को राहत पहुंचाने के लिए वार्डों में एयर कंडीशनर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि किसी भी मरीज को गर्मी या अन्य सुविधाओं के अभाव में कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री जायसवाल ने बताया कि कटघोरा सीएचसी को अब 50 बेड से बढ़ाकर 100 बेड के आधुनिक अस्पताल में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसके लिए आवश्यक बजट स्वीकृत हो चुका है और विस्तृत परियोजना प्रस्ताव तैयार कर लिया गया है। जैसे ही वित्तीय स्वीकृति प्राप्त होगी, निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। अस्पताल को जिला अस्पताल की तर्ज पर विकसित किया जाएगा, जिससे यहां के मरीजों को बेहतर और समग्र स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि इस अपग्रेडेशन से न केवल कटघोरा,बल्कि आसपास के ग्रामीण अंचलों—जैसे कि पसान,पाली आदि के लोगों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित समस्याएं और सुझाव भी सुने। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अस्पताल भवन की मरम्मत, परिसर की साफ-सफाई, पेयजल की नियमित आपूर्ति तथा आवश्यक दवाओं की उपलब्धता की भी स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने सभी चिकित्सकों, स्टाफनर्सों व कर्मचारियों को निर्देशित किया कि मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो और सभी सेवाएं समयबद्ध व संवेदनशील तरीके से उपलब्ध कराई जाएं।

सुशासन तिहार 2025: सरगुजा के लमगांव में समाधान शिविर बना जनसेवा का उत्सव

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार आम जनता की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बन रहा है। इसी क्रम में सरगुजा जिले के लुण्ड्रा विकासखंड के लमगांव में आयोजित समाधान शिविर जनसमाधान के मूल सिद्धांतों को साकार किया है। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित 6351 शिकायतों और मांगों का त्वरित निराकरण किया गया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि समाधान शिविर में शामिल हुए। सुशासन तिहार के प्रथम चरण से प्राप्त अधिकांश आवेदनों का तत्काल समाधान कर उन्हें राहत प्रदान की गई। शिविर में राजस्व, पंचायत, ग्रामीण विकास, वन, स्वास्थ्य, विद्युत, कृषि, शिक्षा सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। समाधान शिविर में लोगों के राशन कार्ड, पेंशन, पीएम आवास, जाति प्रमाण पत्र, बिजली बिल, चिकित्सा सुविधा और भूमि विवाद जैसे मुद्दों को प्रमुखता से निपटान किया गया। इस समाधान शिविर में लालमाटी, सुमेरपुर, रघुनाथपुर, पुरकेला, ऊचडीह, गंगापुर, लमगांव, जरहाडीह, असकला, सिलसिला, कोट, झेराडीह, बरगीडीह, खाराकोना, तुरियाबीरा और बटवाही ग्राम पंचायतों को सम्मिलित किया गया था। जिसमें मांग के 6280 एवं 79 शिकायत के आवेदन प्राप्त हुए कुल 6359 आवेदन में 6351 प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया गया है, शेष 8 आवेदन में नियमानुसार कार्यवाही की जा रही है।

समस्याओं के निराकरण का सशक्त माध्यम बन रहा है सुशासन तिहार - उद्योग मंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। प्रदेश के उद्योग, वाणिज्य एवं श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रदेश में विगत डेढ़ माह से संचालित सुशासन तिहार आम जनमानस की समस्याओं के निराकरण एवं उनकी मांगों को पूरा करने का एक सशक्त माध्यम बन रहा है। उन्होने कहा कि देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की मंशा है कि देश का हर नागरिक खुशहाल हो, उनकी समस्याओं का त्वरित निराकरण हो, उनकी विकासपरक मांगे व आवश्यकताएं पूरी हों, इसी लक्ष्य को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में राज्य के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में एक साथ सुशासन तिहार-2025 का वृहद आयोजन किया जा रहा है।

उक्त बातें उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा अपने बालको जोन कार्यालय में सुशासन तिहार-2025 के तहत आयोजित समाधान शिविर में कही। यहाँ उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देशों के अनुरूप सम्पूर्ण छत्तीसढ़ राज्य व कोरबा जिले के साथ-साथ नगर पालिक निगम कोरबा क्षेत्र में भी सुशासन तिहार-2025 का आयोजन किया जा रहा है, आयोजन के तीसरे चरण में समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज नगर पालिक निगम कोरबा के बालको जोन कार्यालय में समाधान शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में नगर पालिक निगम कोरबा के विभिन्न विभागों निर्माण, जल प्रदाय, विद्युत, प्रधानमंत्री आवास योजना, सम्पत्तिकर, संपदा, अतिक्रमण, स्थापना, स्वच्छता, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, राशन कार्ड, सहित जिले के विभिन्न विभागों यथा राजस्व विभाग, श्रम विभाग, स्वास्थ्य विभाग, आयुष विभाग, वन विभाग, महिला एवं बाल विकास, समाज कल्याण, खाद्य विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य विभाग, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग, कौशल विकास योजना सहित अन्य विभागों के स्टाल लगाए गए थे, जिनके माध्यम से आमनागरिकों द्वारा प्रस्तुत किए गए विभिन्न शिकायतों, समस्याओं व मांगों से संबंधित आवेदनों के निराकरण की जानकारी प्रदान की गई। उद्योग मंत्री श्री लखनलाल देवांगन ने शिविर में पहुंचकर वहाँ पर स्थापित विभिन्न विभागों के स्टालों का निरीक्षण किया तथा आमजन द्वारा प्रस्तुत मांग, शिकायत व समस्या संबंधी आवेदनों के विभागवार निराकरण की स्थिति की जानकारी ली तथा अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। इस मौके पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने शिविर में काफी संख्या में उपस्थित आमनागरिकों से भेंट मुलाकात की, उनका कुशल-क्षेम पूछा तथा उनके द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर किए गए निराकरण की कार्यवाही व प्राप्त परिणामों पर चर्चा की। मंत्री श्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में मनाया जा रहा यह सुशासन तिहार वास्तव में लोगों की समस्याओं के निदान करने का, उनकी मांगों व आवश्यकताओं को पूरा करने का त्यौहार है, मुझे प्रसन्नता है कि सुशासन तिहार-2025 के बहुत अच्छे परिणाम सामने आ रहे हैं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि एक ओर जहाँ मुख्यमंत्री श्री साय प्रदेश में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, धंधे आदि की बेहतरी के साथ-साथ किसान, युवा, महिला व समाज के सभी वर्गो के उत्थान की दिशा में व्यापक स्तर पर योजनाओं को क्रियान्वित कर एक जनहितैषी सरकार की संकल्पना को पूरा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री व नगरीय प्रशासन मंत्री शहरों के अधोसंरचनात्मक विकास में गहरी रूचि लेते हुए शहरी विकास को सही दिशा व गति दे रहे हैं।

समस्याओं का त्वरित समाधान ही सुशासन की सच्ची पहचानः मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी क्रम में सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत कल्याणपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समाधान शिविर में महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने 16 ग्राम पंचायतों से आए हजारों ग्रामीणों की 2118 समस्याओं का मौके पर ही निराकरण कर कीर्तिमान स्थापित किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने शिविर में आए ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार पारदर्शी, संवेदनशील और सहभागी शासन व्यवस्था को मजबूत बना रही है। उन्होंने शिविर में ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए कहा कि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान ही सुशासन की सच्ची पहचान है।

शिविर के दौरान राजवाड़े ने मोर गांव मोर पानी और जल शक्ति अभियान के तहत उपस्थित जनसमुदाय को जल संरक्षण की शपथ दिलाई। वर्षा जल संचयन, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग और सोखता गड्ढों की उपयोगिता बताते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि जल संकट से निपटने के लिए जनसहभागिता आवश्यक है। जल संरक्षण को एक जन आंदोलन का रूप देना समय की आवश्यकता है।

समाधान शिविर में गोद भराई कार्यक्रम के तहत मंत्री राजवाड़े ने महिलाओं को स्नेह और आशीर्वाद देते हुए मातृत्व का सम्मान किया। नवजातों को अपने हाथों से खिलाते हुए उन्होंने माताओं के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी। इसके साथ ही किसानों को ऋण पुस्तिकाएं वितरित करते हुए उन्होंने कहा, किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं, उनकी समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

माह जून से अगस्त तक का राशन एकमुश्त किया जाएगा वितरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

कांकेर। छत्तीसगढ़ शासन नागरिक आपूर्ति उपभोक्ता संरक्षण विभाग रायपुर के निर्देशानुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली अंतर्गत समस्त राशन कार्डधारियों को माह जून से माह अगस्त 2025 तक पात्रतानुसार एकमुश्त चावल का वितरण 01 से 30 जून तक किया जाएगा।

जिले के प्रत्येक उचित मूल्य दुकानों में चावल के अतिरिक्त अन्य राशन सामग्री शक्कर, चना, गुड़ एवं नमक का स्टॉक के उपलब्धता के आधार पर माह जून से अगस्त के दौरान प्रति माह पृथक-पृथक आबंटन अनुसार वितरण किया जाएगा। जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि राज्य शासन द्वारा जारी निर्देशानुसार ई-पॉस मशीन में प्रत्येक माह का चावल उठाव का हितग्राही को बायोमेट्रिक द्वारा चावल प्रदाय का अलग-अलग वितरण का रसीद प्रदाय कर राशनकार्ड में एंट्री की जाएगी।

भण्डारित चावल में किसी भी प्रकार का व्यपवर्तन न हो, इसकी निगरानी राजस्व, खाद्य एवं सहकारिता विभाग के मैदानी अमले द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है तो सार्वजनिक वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2016 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की सुसंगत धाराओं के तहत कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

लोगों की समस्या सुनने व निराकरण करने का माध्यम है समाधान शिविर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में गांव एवं शहरी क्षेत्रों में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है इसी क्रम में बलौदाबाजार विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करमदा में बुधवार को आयोजित समाधान शिविर में राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 1786 हितग्राहियों को लाभान्वित किया गया। शिविर में 10 ग्राम पंचायतों के लोग शामिल हुए। कुल प्राप्त 2298 आवेदनों में 2276 मांग एवं 22 शिकायत से सम्बधित थे।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार में आयोजित शिविर में मुख्यमंत्री सहित मंत्री, अधिकारी गांव में पहुंचकर लोगों की समस्या सुन रहे है और समाधान भी कर रहे हैं। शिविर में अधिकारी प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर जानकारी दे रहे हैं इसके साथ ही पात्रता अनुसार हितग्राहियों को योजना से लाभान्वित भी किया जा रहा है।प्रदेश में सरकार तेजी से विकास कार्य कर रही है, लोगों का सरकार के प्रति विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी के तहत हमारी सरकार ने सभी वायदे पूरे किये है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पक्के मकान का सपना पूरा हो रहा है, महतारी वंदन योजना से नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल से जल पहुंचाया जा रहा है। जिले में खेल सुविधाओं व सड़क विस्तार में तेजी से काम किया जा रहा है।

राजस्व मंत्री बलौदाबाजार नगरपालिका के नगर भवन में आयोजित समाधान शिविर में भी शामिल हुए और हितग्राहियों को विभिन्न योजना के तहत सामग्री वितरित किया।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने नगरपालिका बलौदाबाजार अंतर्गत हाउसिंग बोर्ड कालोनी में लगभग 66 लाख रुपये के विकास कार्यो का भूमि पूजन किया। इसमें नाली निर्माण, सी सी रोड निर्माण, स्ट्रीट लाईट व गार्डन विकास सम्मिलित हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन, जनपद अध्यक्ष सुलोचना यादव, अन्य जनप्रतिनिधिगण, कलेक्टर दीपक सोनी, अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower,
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca AJAY
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

महिला से गैंगरेप करने वाले 4 आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में एक महिला से गैंगरेप हुआ है। घटना 18 मई की दोपहर की है। पीड़िता अपने पिता के साथ घर पर थी। तभी परिवार के 4 जानकार युवक पीड़िता के घर आए । सभी ने एक साथ खाना खाया। कुछ देर बाद पीड़िता के पिता सो गए। इसी दौरान चारों ने महिला को जबरन पकड़कर दूसरे कमरे में ले गए। सभी ने बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद चारों मौके से फरार हो गए। अगले दिन पीड़िता ने अपनी मां को घटना की जानकारी दी। मां अपने बेटे के छठी कार्यक्रम से लौटी थी। इसके बाद चांपा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

चांपा थाना पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इनमें मनोज कुमार पटेल (33), नरेंद्र कुमार पटेल (37), रामकुमार पटेल और धरम चौहान (53) शामिल है। तीनों पटेल भाई जमनीपाली पटेल पारा उरगा, कोरबा के रहने वाले हैं। धरम चौहान कुदारी टाल, जिला शक्ति का निवासी है। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी रायगढ़-कोरबा रोड की तरफ ट्रक में भाग रहे हैं। पुलिस ने करतला के पास से चारों को पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

आमानाका में हादसा, हाईवा और ट्रक की भिड़ंत, ड्राइवर घायल

रायपुर। आमानाका क्षेत्र में गुरुवार की सुबह रेत परिवहन कर रही हाईवा और ट्रक के बीच टक्कर हो गई, जिसमें हाईवा का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाईवा चालक केबिन में फंस गया, जिसे बड़ी मशक्कत के बाद क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया। घायल चालक को तत्काल इलाज के लिए एम्स अस्पताल भेजा गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में रेत परिवहन करने वाले भारी वाहनों की तेज रफ्तार और लापरवाह ड्राइविंग आए दिन दुर्घटनाओं का कारण बन रही है। लोगों ने प्रशासन से सख्त कार्रवाई और ट्रैफिक नियंत्रण की मांग की है।

बस की डिग्गी से 21 किलो गांजा किया बरामद, ट्रॉली में भरकर किया गया लोड, मालिक की तलाश में पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग बस स्टैंड दुर्ग में खड़ी बस की डिग्गी से पुलिस ने 21 किलो गांजा बरामद कर जब्त किया है। जब्त गांजा की कीमत 2 लाख 10 हजार रुपए आंकी गई है। जिस बस की डिग्गी से गांजा बरामद हुआ है वह ओड़िशा पासिंग है। बस में गांजा किसने रखा और कहां ले जाया जा रहा था इसकी जानकारी पुलिस को नहीं लग पाई है। पुलिस गांजा के मालिक का पता लगाने में जुटी है। वहीं बस मालिक व चालक से भी पूछताछ की जा रही है। मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है।

दरअसल पुलिस को जानकारी मिली कि बस स्टेण्ड यात्री प्रतिक्षालय के पास दुर्ग में खड़ी बस क्रमांक OD 08 9792 की डिक्की में 2 ब्राउन एवं बैगनी कलर की ट्राली सुटकेश में अवैध रूप से गांजा रखा हुआ है। सूचना पर तत्काल पुलिस टीम बस स्टेण्ड के यात्री प्रतिक्षालय के पास पहुंची। यहां खड़ी बस क्रमांक OD 08 9792 की डिग्गी की तलाशी लेने पर इसमें रखा ब्राउन एवं बैगनी कलर की ट्राली सुटकेश को निकाला गया।

ट्रॉली को खोलने पर उसमें ब्राउन कलर के टैप से रैप किए हुए 12 पैकेट मिले। पैकेट खोलकर देखने पर उसमें गांजा पाया गया। गांजे का कुल वजन 21 किलो था और इसकी बाजार में कीमत दो लाख 10 हजार रुपए आंकी गई है। बस में गांजा तो बरामद हुआ लेकिन वह ट्रॉलियां किसकी है कुछ पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने गांजा विधिवत जब्त किया और अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 20 (ख) एनडीपीएस एक्ट कायम कर आरोपी की पता तलाश की जा रही है।

नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई, तस्कर गिरफ्तार

सूरजपुर। सूरजपुर पुलिस ने नशीले पदार्थों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के पास से 1 किलो 900 ग्राम गांजा बरामद हुआ है, जिसकी कीमत करीब 40 हजार रुपये है। डीआईजी और एसएसपी प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। 20 मई 2025 की रात को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली। मुखबिर ने बताया कि नए बस स्टैंड पर एक व्यक्ति गांजा बेचने के लिए ग्राहक ढूंढ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। आरोपी की पहचान शिव कुमार साहू (45) के रूप में हुई। वह सूरजपुर थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव का रहने वाला है। पुलिस ने उसे धारा 20(बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विमलेश दुबे और उनकी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गांजे की तस्करी करने के मामले में आरक्षक गिरफ्तार ओडिशा से गांजा लाकर करता था सप्लाई

राजनांदगांव। सीएएफ आरक्षक को गांजे की तस्करी करने के मामले में पुलिस ने किया गिरफ्तार। खड़गंवा पुलिस ने राजनांदगांव के पेण्ड्री से हिरासत में लेकर पूछताछ कर गांजे के तस्करी में किया गिरफ्तार। आरक्षक बुंदेलाल 8वीं बटालियन पेण्ड्री राजनांदगांव में पदस्त है।

पुलिस का कहना है कि 28 अप्रैल को सुरेश कुमार नाम के व्यक्ति को 2 किलो गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया था। उससे पूछताछ करने के बाद सुरेश ने पुलिस को बताया कि आरक्षक बुंदेलाल द्वारा गांजा दिया जाता था। उसके बताये गए पाते पर ले जाकर देता था। जिसके एवाज में एक हजार रूपये मिलते थे। सीएएफआरक्षक का नाम सामने आने के बाद पुलिस ने सरगुजा आईजी व जिले के पुलिस अधीक्षक को इसकी जानकारी दी गई। उनके आदेश अनुसार मामले की जांच बारीकी से की गई। जिसके बाद पुलिस को पता चला कि सीएएफआरक्षक की सुरेश से कई बार बात हुई है और जांच के दौरान इससे संबंधित सबूत भी मिले। जिसके बाद आईजी व जिले के पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर आरक्षक बुंदेलाल को राजनांदगांव से हिरासत में लेकर खड़गंवा थाना लाया गया। पूछताछ करने पर उनसे कहा कि वह ओडिशा से गांजा लाकर यहां सप्लाई किया करता है। आरोपी आरक्षक बुंदेलाल खड़गवा के कौरीमार ग्राम का रहने वाला है।

डिलीवरी बॉय से लूटपाट करने वाले 4 शातिर बदमाशों को किया गिरफ्तार, भेजे गए जेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

भानुप्रतापपुर। ई-कार्ट डिलीवरी बॉय से लूटपाट कर फरार हुए चार आरोपी आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ ही गए। इस घटना में आरोपियों ने पार्सल डिलीवरी के बहाने युवक से मारपीट कर 38 हजार 896 रुपये की सामग्री लूट ली थी। मामले में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह मामला भानुप्रतापपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, प्रार्थी मनोहर मातरम (उम्र 20 वर्ष), निवासी सुखई 20 मई को भानुप्रतापपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह इंस्टा कार्ड प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्य करता है। 20 मई को वह मोटरसाइकिल (क्रमांक सीजी 19 बीएम 7787) से भानबेड़ा और भोड़िया की ओर ऑनलाइन पार्सल की डिलीवरी करने गया था। इस दौरान ग्राम मर्देल निवासी हरेश कुमार उयके ने कॉल कर पार्सल लेने की बात कही। कुछ देर बाद आरोपी हरेश अपने तीन साथियों के साथ मौके पर पहुंचा और प्रार्थी से पार्सल छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी और ई-कार्ट कंपनी का पार्सल बैग लूट कर फरार हो गए, जिसमें कुल 38,896 की सामग्री थी। प्रार्थी की रिपोर्ट पर धारा 396, 115(1), 351(2), 309(4) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी। वहीं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक इन्दिरा कल्याण ऐलिसेला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप पटेल एवं एसडीओपी शेर बहादुर सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी रामेश्वर देशमुख के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों की लोकेशन का पता चला, जहां से वे भागने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उन्होंने अपराध स्वीकार कर लिया, जिसके बाद उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम हरेश कुमार उयके (उम्र 28 वर्ष) अजय कुमार उयके (उम्र 25 वर्ष) लिलेश कुमार उयके महेंद्र कुमार कावड़े (उम्र 23 वर्ष) गिरफ्तार किये गए चारों आरोपी ग्राम मर्देल के निवासी हैं।

पति व पत्नी ने मोहल्ले का माहौल किया खराब एसपी से हुई सेक्स रैकेट चलाने की शिकायत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। देह व्यापार की शिकायत करने बड़ी संख्या में महिलाएं एसपी ऑफिस पहुंची। जहां उन्होंने एसपी के नाम आवेदन दिया और मामले में कार्रवाई की मांग की। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

शहर से करीब के ग्राम पंचायत गढ़उमरिया के जाम टिकरा मोहल्ला की महिलाओं ने बताया कि पिछले करीब 10-12 सालों से यहां देह व्यापार का धंधा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि राम नारायण साहू और उसकी पत्नी मोहल्ले के एक घर में यह काम करवा रहे हैं। इससे मोहल्लेवासी लंबे समय से परेशान हैं। उन्होंने अपने ज्ञापन में बताया कि पूर्व में भी जूमिटल थाना में इसकी शिकायत की जा चुकी है। तब 151 के तहत कार्रवाई की गई थी, लेकिन बावजूद इसके देह व्यापार का धंधा यहां बंद नहीं हो रहा है।

महिलाओं ने पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन सौंपकर दोनों पति-पत्नी पर कार्रवाई करते हुए देह व्यापार का धंधा बंद कराने की मांग की है। एसपी ऑफिस शिकायत के लिए पहुंची महिला ने बताया कि इंदिरा साहू और उसके पति देह व्यापार का धंधा कराते हैं। इसके लिए जूटमिल थाना में आवेदन दिए थे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जिस मकान पर देह व्यापार चल रहा है, उसे सील करा दिया जाए। उसने बताया कि पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।महिला ने बताया कि मोहल्ले में स्थिति यह हो गई कि मोहल्ले की महिलाएं घर से बाहर न निकल पा रही है और न बैठ पा रही है। इस संबंध में DSP सुशांतो बनर्जी ने बताया कि मामले में शिकायत की जांच की जाएगी और जांच में दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पूर्व में जूटमिल थाना में शिकायत की गई थी। उस पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी।

रायपुर एम्स के डॉक्टर से 46 लाख की ठगी, मैट्रिमोनियल साइट से पहचान और झांसा देकर की धोखाधड़ी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर स्थित एम्स के डॉ. रोहित कुमार को एक महिला ने 46 लाख रुपए का चूना लगा दिया। मैट्रिमोनियल साइट पर डॉक्टर का उक्त महिला से संपर्क हुआ। खुद को डॉक्टर बताते हुए शातिर महिला ने डॉक्टर को एक ट्रेडिंग साइट के संबंध में बताया और उसमें इन्वेस्ट कराया। डॉक्टर ने अपने रुपए निकालने चाहे तो निकले नहीं और महिला का मोबाइल भी बंद आने लगा। इसके बाद डॉक्टर ने इसकी शिकायत थाने पहुंचकर की। पुलिस ने महिला के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। मामला आमानाका थाना क्षेत्र का है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक डॉ राहुल कुमार ने बताया कि जैनम प्लेनेट टाटीबंध में रहता है। करीब 2 महीने पहले एक मैट्रिमोनियल साइट के जरिए उसकी पहचान एक महिला राधिका मुखर्जी से हुई। उसने खुद को डॉक्टर बताया। दोनों के बीच व्हाट्सएप कॉल पर बात होती थी। दोनों के बीच शादी को लेकर बातचीत हो रही थी। इस बीच उसने डॉ राहुल को एक FOREX Trading site के बारे में बताया जिसका नाम Plus 500 Global CS था। इसमें

राधिका नाम की महिला ने डॉ राहुल को इन्वेस्ट करने लिए कहा। वह जब भी फोन करती इसमें इन्वेस्ट करने के लिए मजबूर करने लगी। उसने कहा कि इन्वेस्ट के बाद जो प्राफिट आएगा उससे अहमदाबाद में हॉस्पिटल शुरू करेंगे।

लोन लेकर जुटाए रुपए

डॉ. राहुल कुमार ने महिला के बार बार कहने पर उसके झांसे में आ गया औश्र 30 लाख रुपए का लोन लिया। अपनी सेविंग्स के 16 लाख मिलाकर कथित डॉ राधिका मुखर्जी के बताए अनुसार ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसने 3 अप्रैल को 50,000 रुपए जमा कराए। इसके बाद दिनांक14 मई 25 के बीच कुल 17 ट्रांजेक्शन के जरिए कुल 46 लाख रुपए ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद साइट में प्राफिट मिलाकर 1 करोड दिखाने लगा। जब डॉक्टर ने विथड्रा करना चाहा तो रुपए नहीं निकले। इसके बाद उसने महिला डॉक्टर से संपर्क करना चाहा लेकिन उसका फोन ऑफआने लगा। इसके बाद उसे ठगी का अहसास हुआ और थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज करवाई। फिलहाल आमानाका पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

पैसा दोगुना करने का झांसा देकर 14 लाख की ठगी, दो गिरफ्तार

सूरजपुर। शेयर मार्केट में तीन माह में पैसा दोगुना करने का लालच देकर 14 लाख रुपये की ठगी करने के मामले में जयनगर पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जयनगर निवासी रकीबुल की शिकायत के अनुसार, अहमद रजा अंसारी, महबूब हुसैन उर्फअहमद और दो अन्य लोगों ने उन्हें झांसा दिया।

रकीबुल ने 25 सितंबर 2024 को सात लाख रुपये नकद और बाद में यूपीआई के माध्यम से सात लाख रुपये अहमद रजा के बैंक खाते में जमा किए। तीन माह बाद पैसा मांगने पर अहमद रजा ने टालमटोल की और 28 लाख रुपये का चेक दिया, जो खाते में राशि न होने के कारण निरस्त हो गया। जयनगर थाने में धारा 318(4), 3(5) बीएनएस और छत्तीसगढ़ निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2005 की धारा 10 के तहत मामला दर्ज किया गया। डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देश पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। जयनगर पुलिस ने अहमद रजा अंसारी (35, ग्राम जूर, चौकी बसदेई) और महबूब हुसैन उर्फ अहमद (ग्राम करौंदामुड़ा, थाना झिलमिली) को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में दोनों ने अपराध स्वीकार किया। उनके कब्जे से बैंक खाता, एटीएम कार्ड, शेयर ट्रेडिंग में प्रयुक्त चार मॉनिटर और एक सीपीयू जब्त किया गया। दो अन्य फरार आरोपियों की तलाश जारी है। कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष महतो और एसडीओपी सूरजपुर अभिषेक पैंकरा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक नंदकिशोर राजवाड़े, रविशंकर पांडेय, आरक्षक विकास मिश्रा और सुरेश साहू द्वारा की गई।

मानसिक रोगी ने चलाया युवक पर चाकू

बिलासपुर। सनकी युवक ने बुधवार की देर शाम एक युवक पर चाकू से हमला कर दिया, जिससे घायल युवक को सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, आरोपी वारदात के बाद से फरार है। आरोपी युवक पहले भी अपने घर में मारपीट और तोड़फोड़ किया था, जिस पर उसे मेंटल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल से छुट्?टी होने के बाद उसने फिर चाकूबाजी कर दिया। मामला तोरवा थाना क्षेत्र का है। जगमल चौक स्थित सांई भूमि कॉलोनी निवासी हर्ष कुकरेजा बुधवार को प्रदीप वाधवानी को बुलाने उसके घर पहुंचा। इस दौरान उसे बाहर बुलाया और साथ में मेनरोड की तरफ ले गया। फिर अचानक हर्ष कुकरेजा ने प्रदीप पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे वह कुछ समझ नहीं पाया और खून से लथपथ होकर घायल हो गया।

इस हमले के बाद घायल प्रदीप चिल्लाने लगा। उसकी आवाज सुनकर परिजन दौड़कर सड़क के पास पहुंचे, तब तक आरोपी हर्ष वहां से भाग गया था। परिजन ने सड़क पर खून से लथपथ देख प्रदीप को इलाज के लिए सिम्स अस्पताल पहुंचाया।

ससुराल से गायब युवक की जंगल में लाश मिली, हत्या कर जलाया

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले से लापता हुए युवक का शव अधजले हालत में आज ओडिशा के जंगल में मिला है। शव नुआपड़ा जिले के सीनापाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गोरला जंगल में मिला है। युवक के शरीर का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह जल चुका है। साथ ही शव के पास से बरामद उसकी बाइक भी जलकर खाक हो चुकी है। ग्रामीणों द्वारा सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची ने मर्ग कायम कर युवक के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। इस मामले में हत्या की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, मृतक की पहचान लगनिया सोनवानी (35 वर्ष) के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गरियाबंद जिले के देवभोग के उरमाल गांव का निवासी था, जो अपने ससुराल ग्राम मूंगिया में रह रहा था। बीते 7 दिनों से युवक लापता था। परिजनों ने 16 मई को युवक की गुमशुदगी की शिकायत देवभोग थाने में दर्ज कराई थी। फिलहाल इस मामले में पुलिस हत्या कर शव को बाइक समेत जलाकर फेंकने की आशंका जता रही है और आगे की जांच में जुटी हुई है।

मैं आपके गांव-घर का बेटा, प्रदेश को विकास की राह में ले जाना मेरा संकल्पः मुख्यमंत्री साय

▶ दोकड़ा में कॉलेज सहित अन्य कार्यों की घोषणा की

▶ पीएम आवास सहित अन्य योजनाओं के हितग्राहियों से किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सुशासन तिहार के तीसरे चरण में प्रदेश के कोने-कोने में शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की वस्तुस्थिति जानने निकले प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का उड़नखटोला आज उनके गृह जिले जशपुर के दोकड़ा ग्राम में उतरा। यहाँ समाधान शिविर में उन्होंने सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों पर की गई कार्यवाही और पीएम आवास सहित अन्य योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर योजनाओं की हकीकत जानी। मुख्यमंत्री श्री साय ने आमनागरिको को सम्बोधित करते हुए कहा कि मैं आपके गाँव घर का बेटा हूँ। मेरा सौभाग्य है कि आपके आशीर्वाद से प्रदेश का मुख्यमंत्री बना। प्रदेश को विकास की राह में ले जाना मेरा संकल्प है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि आपके आशीर्वाद से हमारी सरकार बनी है। विगत डेढ़ वर्ष में विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। सरकार बनते ही पहले केबिनेट में पीएम आवास के हितग्राहियों के लिए 18 लाख आवास की स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार आवास बन रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिलासपुर में 3 लाख आवास के हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। अम्बिकापुर में केंद्रीय पंचायत मंत्री शिवराज सिंह ने 51 हजार हितग्राहियों को गृह प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिनका मकान पक्का नहीं है उन्हें चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

एसईसीसी और आवास प्लस के सर्वे में जिनका भी नाम है सभी का मकान बनेगा। प्रधानमंत्री ने पीएम आवास के लिए इस वर्ष बजट में बड़ी राशि का प्रावधान किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमने किसानों से जो वादा किया था उसे पूरा किया। 31 सौ रुपए प्रति क्विंटल में धान खरीदी, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी, दो साल का बकाया बोनस की राशि भी दी। भूमिहीन कृषि मजदूरों को राशि देना शुरू किया है। महतारी वन्दन योजना से महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार की राशि देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने और महिला सशक्तिकरण का काम किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि तेन्दूपत्ता के हितग्राहियों को लाभान्वित करने 4000 एकड़ प्रति मानक बोरा पारिश्रमिक राशि को बढ़ाकर 5500 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि रामलला दर्शन योजना अंतर्गत अयोध्या में प्रभु राम के दर्शन के लिए तीर्थ यात्रियों को भेजने के साथ ही अब मुख्यमंत्री तीर्थ योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना में हमारे प्रदेश के 60 वर्ष से अधिक कोई भी व्यक्ति देश के प्रमुख तीर्थ स्थलों में नि:शुल्क जा पाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने आगे कहा कि हमारी सरकार ने जमीन रजिस्ट्री की प्रक्रिया को आसान बनाकर नामान्तरण की प्रक्रिया को भी सरल कर दिया है। अब नामान्तरण के लिए किसी के पास जाने की जरूरत नहीं है। जमीन रजिस्ट्री के साथ ही नामांतरण हो जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ग्रामीणों को बैंकिंग सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। अटल डिजिटल सेवा केंद्र के माध्यम से प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में सेवाएं उपलब्ध होगी। किसानों को गाँव से बाहर नहीं जाना पड़ेगा। अभी 24 अप्रैल को प्रदेश के 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केंद्र प्रारंभ किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैंने स्वयं भी देखा है कि इस सेवा का लाभ आम जनमानस को मिल रहा है।

इस अवसर पर पत्थलगांव की विधायक और सरगुजा विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष गोमती साय ने कहा कि यह सुशासन का साक्ष्य है, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की सरकार घर-घर पहुँच रही है। गाँव की समस्याओं को सुनकर दूर किया जा रहा है। केंद्र और राज्य की योजनाओं को जरूरतमंद तक पहुचाने के लिए सरकार लगी है। कलेक्टर रोहित व्यास ने जिले में सुशासन तिहार अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी देते हुए बताया कि एक लाख 32 हजार से अधिक प्राप्त आवेदनों में से एक लाख 28 हजार से अधिक आवेदनों का निराकरण किया गया है। जशपुर जिले में 54 क्लस्टर में शिविर का आयोजन किया जा रहा है। 97 प्रतिशत आवेदन का निराकरण कर लिया गया है। कलेक्टर ने बताया कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदन के आधार पर हितग्राहियों को योजनाओं से भी लाभान्वित किया गया है। कुछ मांग शासन को स्वीकृति के लिए भेजी गई है। उन्होंने कहा कि समयबद्ध तरीके से हर आवेदन के निराकरण की कोशिश की गई। ग्राम दोकड़ा के समाधान शिविर में ग्राम पंचायतों के अंतर्गत 3258 आवेदन प्राप्त हुए थे। जिसमें से अधिकांश का निराकरण कर लिया गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मोदी जी की गारंटी को पूरा किया गया है। उन योजनाओं के तहत कार्य हुआ है या नहीं, इसे धरातल में जानने के लिए दौरा कर रहे हैं। आज जशपुर जिले के दोकड़ा आया हूँ, यह मेरा 21वां जिला है। मेरे अलावा मंत्री,सांसद,विधायक और मुख्य सचिव सहित वरिष्ठ अधिकारी भी समाधान शिविरों में जा रहे हैं। मैं आकस्मिक निरीक्षण के तहत प्रदेश के हर दूरस्थ अंचलों में पहुँचने की कोशिश कर रहा हूँ। पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर लोगों की समस्याओं को सुन रहा हूँ। सभी जगह व्यवस्था ठीक है और जहाँ कोई कमी है उसे नोटकर अधिकारियों को कमी ठीक करने के निर्देश दिए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ग्राम दोकड़ा को अपना गाँव घर बताया और यहाँ के लोगों को अपना। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों ने उन्हें 4 बार सांसद बनाया। मैनी नदी में पुल यहाँ के लोगों की प्रमुख मांग थी, जिसे पूरा कर दिया गया था। अभी जो माँग आई है उसे भी पूरा किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने दोकड़ा में उच्च शिक्षा के लिए कॉलेज खोलने की घोषणा की। उन्होंने यहाँ के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का उन्नयन करने, वनवासी कल्याण आश्रम, प्राचीन शिव मंदिर के प्रांगण का जीर्णोद्धार, डोरियामुड़ा तालाब का सौंदर्यीकरण, पुराने मंगल भवन के जीर्णोद्धार के लिए राशि 20 लाख देने और इस क्षेत्र के युवाओं को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए एक मिनी स्टेडियम निर्माण की भी घोषणा भी की।

पीएम आवास की चाबी,समूह को चेक का किया वितरण

जशपुर जिले के कांसाबेल ब्लॉक अंतर्गत ग्राम दोकड़ा के समाधान शिविर में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने हितग्राहियों को अनेक सौगातें दी। उन्होंने पीएम आवास के हितग्राही बिकेश्वर राम, सुमेर सिंह से संवाद किया। पीएम आवास के हितग्राही सुमेर सिंह ने खुशी जाहिर करते हुए मुख्यमंत्री को अपने घर भी आमंत्रित किया। समाधान शिविर में राशनकार्ड प्राप्त करने वाले परमेश्वर राम, किसान क्रेडिट कार्ड के हितग्राही संजय शर्मा ने भी समस्या का समाधान के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने शिविर स्थल पर पीएम आवास के हितग्राहियों को चाबी सौंपी। खाद्य विभाग अंतर्गत राशनकार्ड, समाज कल्याण विभाग अंतर्गत पेंशन स्वीकृति पत्र, मत्स्य विभाग अंतर्गत जाल और आइस बॉक्स, कृषि विभाग अंतर्गत केसीसी कार्ड, महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत बैग एवं टिफ्रिन बॉक्स, बॉटल, उद्यानिकी विभाग अंतर्गत किसानों को सब्जी बीज किट, मनरेगा अंतर्गत जॉब कार्ड स्वीकृति आदेश,स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत आयुषमान कार्ड,फूड बॉक्स,एनआरएलएम अंतर्गत महिला समूह के सदस्यों को मुद्रा लोन का चेक और क्रिकेट खिलाड़ियों को क्रिकेट किट आदि का वितरण किया।

दसवीं-बोर्ड परीक्षा के टॉपर विद्यार्थियों का किया सम्मान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जशपुर जिले के विद्यालयों से पढ़ाई कर माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा में टॉप कर जिले का राज्य स्तर पर नाम रोशन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया। उन्होंने कक्षा 12 वी कक्षा में राज्य में पांचवा स्थान हासिल करने वाली नेहा एक्का और कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले नमन खुटिया सहित अन्य विद्यार्थियों का सम्मान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

महुआ पेड़ के नीचे मुख्यमंत्री साय ने लगाई चौपाल, ग्रामीणों से किया संवाद, सुनी समस्याएं, समाधान के दिए निर्देश

सुशासन तिहारः हरगवां ग्राम पंचायत में शत-प्रतिशत आवेदनों का हुआ निराकरण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। तेज हवाओं के बीच एक हेलिकाप्टर अचानक बलरामपुर-रामानुजगंज जिले की जनपद पंचायत शंकरगढ़ की ग्राम पंचायत हरगवां के ढोढरीकला, कोरवाटोली नवापारा में उतरा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को अपने बीच पाकर ग्रामवासियों के बीच खुशी की लहर दौड़ उठी। भीड़ ने आत्मीयता पूर्वक मुख्यमंत्री का स्वागत किया। आरती और चौपाई से गांव की महिलाओं ने उनका स्वागत किया। महुआ पेड़ के नीचे मुख्यमंत्री ने खटिया में बैठकर ग्रामीणों से संवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी सरकार को डेढ़ साल पूरा हुआ है, आपसे किये गये वादों को पूरा किया गया है चाहे वो धान खरीदी हो या आवास का। सभी कार्य तेजी से होंगे और छत्तीसगढ़ विकास के पथ पर सतत आगे बढ़ता जायेगा।

मुख्यमंत्री ने चौपाल मे उपस्थित ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और एक-एक कर उनकी समस्या के बारे में पूछा। जब कुछ लोगों ने पानी व सड़क की समस्या का जिक्र किया तो उन्होंने कलेक्टर राजेंद्र कुमार कटारा को इनके समाधान के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़कों को चिन्हित कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करायें। इसके साथ ही उन्होंने केंद्र शासन व राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाने के लिए कार्ययोजना बनाने और शिविर लगाकर लाभान्वित करने के निर्देश दिए। तेज हवा व आंधी तूफान के बीच जब मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से मुस्कुराते हुए पूछा कि जाई कि रही, तो ग्रामीणों ने एक स्वर में कहा रुकिए आपका आगमन हमारा सम्मान है। उनकी बात सुन मुख्यमंत्री धीमी मुस्कान लिए रूके और ग्रामीणों को भरपूर समय दिया। सुशासन तिहार के दौरान हरगवां ग्राम पंचायत में शत्प्रतिशत आवेदनों का गुणवत्तापूर्ण निराकरण किया गया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की सक्रियता और जवाबदेही ही सुशासन की पहचान है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस मौके पर ग्रामीणों से कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य अंतिम व्यक्ति तक शासन व प्रशासन की पहुंच सुनिश्चित करना है। समाधान शिविरों के माध्यम से हम जनता की समस्याओं को मौके पर ही सुलझाने का प्रयास कर रहे हैं। सुशासन तिहार के दौरान हरगवां ग्राम पंचायत में कुल 111 मांग के आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से पूरे आवेदनों का त्वरित समाधान कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं-

शिविर में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने हरगवा ग्राम पंचायत में 10 लाख की लागत से सीसी रोड़, सामुदायिक भवन, झीकी नाला में पुलिया निर्माण, हैंडपंप व बोरवेल की घोषणा की। इस दौरान सामरी विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, जिला पंचायत अध्यक्ष हीरामुनी निकुंज, स्थानीय जनप्रतिनिधिगण, ग्रामीणनजन, मुख्य सचिव अमिताभ जैन ,प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक बैंकर वैभव रमनलाल, वनमण्डलाधिकारी आलोक कुमार बाजपेई, जिला पंचायत सीईओ नयनतारा सिंह तोमर मौजूद थी।

सर्वे सूची में शामिल हितग्राहियों को मिलेगा पीएम आवासः मुख्यमंत्री

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हेलीकॉप्टर आज जशपुर जिले के ग्राम दोकड़ा में अचानक उतरा और वे वहां आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर दोकडा में कालेज और मिनी स्टेडियम की घोषणा की। उन्होंने वहां के प्राथमिकता स्वास्थ्य केन्द्र, वनवासी कल्याण आश्रम के उन्नयन, के साथ ही डोरियामुडा जलाशय का सौन्दर्यकरण कराए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने मंगल भवन के जिर्णोद्धार के लिए 20 लाख और शिव मंदिर परिसर का जीर्णोद्धार कराए जाने की भी मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समाधान शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से हम लोग गांव-गांव पहुंच रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम आवास योजना के सर्वे सूची में जितने भी हितग्राहियों का नाम है सभी को पीएम आवास स्वीकृत किया जाएगा। पिछले डेढ़ वर्षों में मोदी जी की अधिकांश गारंटी को हमारी सरकार ने पूरा किया है। सुशासन तिहार के दौरान पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को नए आवास स्वीकृति के साथ ही पूर्ण हो चुके गए पीएम आवासों की चाँबी सौंपकर उन्हें गृह प्रवेश कराया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सशासन तिहार के अंतर्गत शिविर के माध्यम से लोगों की समस्याओं और मांगों का समाधान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव में लोगों को ऑनलाईन तथा बैंकिंग सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 1460 ग्राम पंचायतों में अटल डिजिटल सेवा केन्द्र खोला गया है इन केंद्रों के माध्यम से ऑनलाइन विभिन्न प्रकार के दस्तावेज प्राप्त करने और राशि के लेन-देन की सुविधा ग्रामीणों को मिलने लगी है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी पत्नी कौशल्या साय, सरगुजा आदिवासी विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष और पत्थलगांव विधायक गोमती साय, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पहाड़ी कोरवा के पीएम जनमन आवास में पहुंचे मुख्यमंत्री, सरई फूल की माला से किया स्वागत

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। पहाड़ी कोरवा के जनमन आवास में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के पहुंचने पर परिवार ने पारंपरिक रीति रिवाज और सरई फूल की माला पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री श्री साय आज सुशासन तिहार के अंतर्गत अचानक बलरामपुर-रामानुजगंज जिला मुख्यालय से लगभग 70 किलोमीटर पर सुदूरवर्ती पहाड़ी कोरवा ग्राम हरगवां ढोढरीकला पहुंचे थे।

जहां ग्रामीणों से चौपाल में संवाद के बाद मुख्यमंत्री पीएम जनमन योजना के तहत दो हितग्राहियों के नवनिर्मित आवास में जाकर उसकी गुणवत्ता देखी। श्री लहंगू पहाड़ी कोरवा के घर पहुंचने पर पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ उनका स्वागत किया गया। लहंगू और उनकी पत्नी ने सरई फूलों की माला पहनाकर आत्मीयता से मुख्यमंत्री का अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने खाट पर बैठकर लहंगू और उनके परिवार से विस्तारपूर्वक चर्चा की इस दौरान मुख्यमंत्री पूरी सहजता के पहाड़ी कोरवा परिवार से घुलते मिलते नजर आए। उन्होंने उनके जीवन, दिनचर्या, संस्कृति के बारे में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने लहंगू से आवास के संबंध में पूछा जिस पर लहंगू ने बताया कि पहले कच्चे मकान में रहने में कई समस्याएं होती थी। लेकिन पक्के आवास से अब खुश हैं। अब किसी प्रकार की चिंता नहीं सताती। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को सरई पत्तों से बने दोने-पत्तल में तेंदू, चार और लीची जैसे स्थानीय और मौसमी फल परोसे गए। आम से बने पारंपरिक पेय आम पना का भी उन्होंने स्वाद लिया। लहंगू की पत्नी दरसी ने मुख्यमंत्री को अपने हाथों से तैयार की गई छिंद की चटाई, रागी, कुटकी और कटहल का फल उपहार स्वरूप भेंट किया, जिसे मुख्यमंत्री ने पूरे सम्मान के साथ स्वीकार किया। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री ने पहाड़ी कोरवा श्रीमती भूखना के पीएम जनमन आवास योजनान्तर्गत बने आवास का भी अवलोकन किया।

विकसित भारत 2047 की संकल्पना को साकार करने में चिकित्सा क्षेत्र निभाए अहम भूमिका : मंत्री जायसवाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 की परिकल्पना को साकार करने हेतु स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से इस महाअभियान में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। यह विचार उन्होंने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित स्व. बिसाहू दास महंत स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, कोरबा की स्वशासी समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

बैठक में मेडिकल कॉलेज के संपूर्ण ढांचे, कार्यप्रणाली और सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ और सशक्त बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री श्री जायसवाल ने निर्देश दिए कि शासकीय मेडिकल कॉलेज एवं चिकित्सालयों को इस प्रकार सुसज्जित किया जाए कि वे निजी स्वास्थ्य संस्थानों से अधिक बेहतर और भरोसेमंद विकल्प के रूप में उभरें। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देना, ओपीडी व आईपीडी में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य परामर्श की व्यवस्था सुनिश्चित करना, और मरीजों के साथ संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करना चिकित्सा संस्थानों की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्वास्थ्य मंत्री ने डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ से कहा, आपके कार्य और सेवा की गुणवत्ता इस प्रकार की होनी चाहिए कि स्वयं आप एक ब्रांड बन जाएं। आम जनता को आपके कार्य से न सिर्फचिकित्सा सेवा मिले, बल्कि उन्हें सम्मान और संवेदना का भी अनुभव हो। बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया ने मेडिकल कॉलेज में स्टाफ की भर्ती प्रक्रिया, आधार आधारित उपस्थिति प्रणाली, सेवा की पुष्टि और समग्र प्रबंधन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन व्यवस्थाओं से संस्थान की पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि होगी।

स्वास्थ्य मंत्री ने अंत में समस्त डॉक्टरों, नर्सों एवं मेडिकल स्टाफ को निर्देशित किया कि वे अपने व्यवहार में मानवीयता, संवेदनशीलता और सेवा भाव को सर्वोपरि रखें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि एक सेवा धर्म है, जिसे समर्पण और करुणा के साथ निभाया जाना चाहिए।

जनहित में डीएमएफ का बेहतर उपयोग

बैठक में कलेक्टर अजीत वसंत ने जिला खनिज संस्थान न्यास मद से चिकित्सा क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि डीएमएफ का प्रयोग जनहितकारी चिकित्सा अधोसंरचना के विकास, उपकरणों की उपलब्धता और सेवाओं के विस्तार में किया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के पदेन सदस्य सचिव डॉ. के. के सहारे ने पिछली स्वशासी समिति बैठक के पालन प्रतिवेदन का वचन किया। स्वशासी समिति द्वारा पिछली बैठकों में पारित कार्यों को अनुमोदन प्रदान किया गया और प्रबंधन संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसमें स्किल लैब की स्थापना, ऑन कॉल ड्यूटी एवं कार्यालयीन कार्य हेतु हल्के वाहन की खरीदी, तथा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तावित बजट पर विचार शामिल था।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950